www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये कदम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

पेज @3 धौलपुर राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) ब्लॉक धौलपुर...

पेज @4 प्रमुख शासन सचिव - यूडीएच ने किया जयपुर शहर का दौरा, अधिकारियों को...

पेज @8 उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी हुई 'देहदान-अंगदान जागृति संगोष्ठी' में...

साबरमती एक्सप्रेस के 22 डिब्बे पटरी से उतरे, कोई हताहत नहीं

कानपुर।

देश में एक के बाद एक लगातार रेल हादसे हो रहे हैं। आज रात करीब 2:30 बजे उत्तर प्रदेश के कानपुर-भीमसेन खंड में गोविंदपुरी स्टेशन के पास ट्रेन संख्या 19168 साबरमती एक्सप्रेस के 22 डिब्बे पटरी से उतर गए। ट्रेन वाराणसी से अहमदाबाद की ओर जा रही थी।हादसे में किसी को भी कोई चोट नहीं आई है। हादसे के बाद झांसी रूट बाधित हो गया है और यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हादसे के बारे में 'एक्स' पर जानकारी दी है।उन्होंने कहा कि ट्रैक पर रखी किसी चीज से टकराने के कारण हादसा हुआ है। किसी बड़ी वस्तु के टकराने से इंजन का कैटल गार्ड बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर मुड़ गया और ट्रेन बेपटरी हो गई।घटनास्थल से सामने आए फोटो में भी देखा जा सकता है कि इंजन पर टकराने के निशान है और कैटलगार्ड क्षतिग्रस्त होकर इंजन के नीचे घुस गया है। अश्विनी वैष्णव ने लिखा, 'वाराणसी से अहमदाबाद जा रही साबरमती एक्सप्रेस का इंजन सुबह 2:35 बजे कानपुर के पास ट्रैक पर रखी किसी वस्तु से टकराकर पटरी से उतर गया। इंजन पर तीखे प्रहार के निशान पाए गए हैं। साक्ष्य सुरक्षित रखे गए हैं। इंटेलीजेंस ब्यूरो (ढ्ढक्च) और उत्तर प्रदेश पुलिस भी इस पर काम कर रही है। यात्रियों या कर्मचारियों को कोई चोट नहीं आई। यात्रियों के लिए आगे की यात्रा के लिए ट्रेन की व्यवस्था की गई है।'

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों को बस से कानपुर भेजा जा रहा है। मौके पर वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद हैं। दुर्घटनाग्रस्त ट्रेन को भी रवाना कर दिया गया है और ट्रैक पर नियमित संचालन शुरू करने की तैयारी हो रही है।रेलवे ने यात्रियों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं।प्रयागराजः 0532-2408128, 0532-2407353कानपुरः 0512-2323018, 0512-2323015मिर्जापुरः 05442220097इटावाः 7525001249टुंडलाः 7392959702अहमदाबादः 07922113977बनारस सिटीः 8303994411गोरखपुरः 0551-2208088लखनऊः 8957024001

हादसे के बाद रेलवे ने 6 ट्रेनों को रद्द कर दिया है।01823 वीरांगना झांसी-लखनऊ 11109 वीरांगना झांसी-लखनऊ 01802/01801 कानपुर-मानिकपुर मेमू 01814/01813 कानपुर-वीरांगना झांसी 01887/01888 ग्वालियर-इटावा मेमू 01889/01890 ग्वालियर-भिण्ड मेमू3 ट्रेनों के मार्ग में किया गया परिवर्तन11110 (लखनऊ-वीरांगना झांसी) अब गोविंदपुरी, इटावा, भिण्ड, ग्वालियर के रास्ते झांसी तक चलेगी। 22537 (गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनल) गोविंदपुरी, इटावा, भिण्ड, ग्वालियर और झांसी के रास्ते चलेगी।20104 (गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनल) कानपुर, इटावा, भिण्ड, ग्वालियर और झांसी के रास्ते मुंबई तक चलेगी।

तीसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन को मोदी ने किया संबोधित

आतंकवाद, अतिवाद और अलगाववाद समाज के लिए खतरा : पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि विश्वभर में अनिश्चितता के माहौल के बीच वैश्विक दक्षिण के देशों को स्वास्थ्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी विभाजन और आतंकवाद जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट होना चाहिए।

भारत द्वारा वर्चुअल माध्यम से आयोजित तीसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत आपसी व्यापार, समावेशी विकास और सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए ग्लोबल साउथ के साथ अपनी क्षमताओं को साझा करेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज चारों ओर अनिश्चितता का माहौल है। दुनिया अभी तक कोविड के प्रभाव से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाई है। दूसरी ओर युद्ध की स्थिति ने हमारी विकास यात्रा के लिए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। जलवायु परिवर्तन, हेल्थ सिक्योरिटी, फूड सिक्योरिटी और ऊर्जा सिक्योरिटी की चिंताएं भी हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद, अतिवाद और अलगाववाद हमारे समाजों के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। टेक्नोलॉजी विभाजित करना और टेक्नोलॉजी से जुड़ी नई आर्थिक और सामाजिक चुनौतियां भी सामने आ रही हैं।

ग्लोबल साउथ के देश एक दूसरे की ताकत बनें : मोदी

पिछले सदी में बने ग्लोबल गवर्नेंस और फाइनेंशियल संस्थान इस सदी की चुनौतियों से लड़ने में असमर्थ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह समय की मांग है कि ग्लोबल साउथ के देश एकजुट होकर एक स्वर में एक साथ खड़े रहकर एक दूसरे की ताकत बनें। भारत, ग्लोबल साउथ के सभी देशों के साथ अपने अनुभव, अपनी क्षमताएं साझा करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम आपसी व्यापार, समावेशी विकास, सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की प्रगति और महिलाओं के नेतृत्व में विकास को बढ़ावा देना चाहते हैं। पिछले कुछ वर्षों में, इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल और एनर्जी कनेक्टिविटी से हमारे आपसी सहयोग को बढ़ावा मिला है। मिशन लाइफ के अंतर्गत हम न केवल भारत में, बल्कि पार्टनर देशों में भी रूफ-टॉप सोलर और रिन्यूएबल पावर जनरेशन को प्राथमिकता दे रहे हैं। हमने वित्तीय समावेशन और अंतिम मील वितरण के अपने अनुभव को साझा किया है। ग्लोबल साउथ के विभिन्न देशों को एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) से जोड़ने की पहल की है। शिक्षा, क्षमता निर्माण और कौशल विकास के क्षेत्रों में हमारी पार्टनरशिप में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। पिछले वर्ष ग्लोबल साउथ यंग डिप्लोमैट फोरम की भी शुरूआत की गई। दक्षिण यानी ग्लोबल साउथ एक्सीलेंस सेंटर, हमारे बीच क्षमता निर्माण, कौशल और नॉलेज शेयरिंग पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि समावेशी विकास में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, बहुउद्देशीय डीपीआई का योगदान किसी क्रांति से कम नहीं है। हमारी जी-20 अध्यक्षता में बना ग्लोबल डीपीआई रिपॉजिटरी, डीपीआई पर ये अब तक का पहला बहुपक्षीय सहमति था।

हेल्थ सिक्योरिटी के लिए हमारा मिशन एक विश्व-एक स्वास्थ्य है

हेल्थ सिक्योरिटी के लिए हमारा मिशन एक विश्व-एक स्वास्थ्य है। हमारा विजन-आरोग्य मैत्री यानि स्वास्थ्य के लिए मित्रता है। हमने अफ्रीका और पैसिफिक आइलैंड देशों में अस्पताल, डायलिसिस मशीनें, जीवन-रक्षक दवाएं और जन औषधि केंद्रों के सहयोग से इस मित्रता को निभाया है। मानवीय संकट के समय, भारत एक प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता की तरह अपने मित्र देशों की सहायता कर रहा हैं। चाहे पापुआ न्यू गिनी में ज्वालामुखी फटने की घटना हो, या कीनिया में बाढ़ की घटना। हमने गाजा और यूक्रेन जैसे टकराव क्षेत्रों में भी मानवीय सहायता प्रदान की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट एक ऐसा प्लेटफार्म है जहां हम उन लोगों की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को आवाज दे रहे हैं, जिन्हें अब तक अनसुना किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी ताकत हमारी एकता में है और इस एकता के बल पर हम एक नई दिशा की ओर बढ़ेंगे। अगले महीने यूएन में भविष्य का शिखर सम्मेलन हो रहा है। इसमें भविष्य के लिए समझौता पर बात चल रही है। उन्होंने कहा कि क्या हम सब मिलकर, एक सकारात्मक दृष्टिकोण ले सकते हैं, जिससे इस समझौते में ग्लोबल साउथ की आवाज बुलंद हो।

कोलकाता डॉक्टर की रेप-हत्या

देशभर में डॉक्टरों की हड़ताल जारी, आईएमए ने रखी 5 मांगें

नईदिल्ली/एजेंसी।

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या कांड के विरोध में आज देशभर के अस्पतालों में हड़ताल जारी है।इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने घटना के विरोध में आज सुबह 6 बजे से लेकर 24 घंटे तक देशव्यापी प्रदर्शन का आ''न किया है।इस दौरान सभी अस्पतालों में आपातकालीन सेवाओं को छोड×कर बाकी सभी तरह के कामकाज बंद रहेंगे।आईएमए ने सरकार के सामने 5 मांगे भी रखी हैं।

हड़ताल का असर पूरे देश के अस्पतालों में देखने को मिल रहा है।केरल के तिरुवनंतपुरम जनरल अस्पताल से लेकर पटना और दिल्ली एम्स में भी कामकाज प्रभावित हुआ है।मुंबई के सिऑन अस्पताल में एक मरीज के रिश्तेदार ने कहा, हमें दिक्कतें आ रही हैं। यहां पर भी वार्ड बंद है। कोलकाता की घटना की वजह से डॉक्टर हड़ताल पर हैं। पहले के मुक़ाबले डॉक्टरों की संख्या भी कम है।

आईएमए एक्शन कमेटी के डॉक्टर विनय अग्रवाल ने कहा, 17 अगस्त को सभी सरकारी और गैर-सरकारी अस्पताल के रूटीन ओपीडी, रूटीन सर्जरी, इन्वेस्टिगेशन डायग्नोस्टिक रुटीन की सेवाएं बंद रहेंगी। जनता को कोई भी समस्या न हो इसके लिए उन्हें आपातकालीन सेवाएं मिलती रहेंगी। गंभीर मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराना जारी रहेगा। डॉक्टर उन्हें आपातकालीन वार्ड में सेवाएं प्रदान करते रहेंगे। जो मरीज अस्पताल में पहले से हैं, उनका भी इलाज जारी रहेगा।

प्रदर्शन के बीच आरजी कर अस्पताल के 43 डॉक्टरों का तबादला कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि इन डॉक्टरों ने हंगामे का समर्थन किया था।अस्पताल के 190 नर्सिंग स्टाफ का भी तबादला किया गया है। 14 अगस्त की रात अस्पताल में हंगामे के बाद नर्सिंग स्टाफ भी हड़ताल पर चला गया था।डॉक्टर के संगठन यूडीएफए ने कहा कि ममता बनर्जी सरकार ने जानबूझकर तबादले किए हैं, लेकिन इससे हमारी न्याय की मांग नहीं रुकेगी।

रेजिडेंट डॉक्टरों के कामकाज और रहने की स्थिति में बदलाव किए जाएं। 36 घंटे की ड्यूटी को कम किया जाए और आराम के लिए सुरक्षित स्थानों की व्यवस्था हो।डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय अधिनियम लागू किया जाए।कोलकाता मामले में एक तय समय-सीमा में निष्पक्ष जांच और पीड़ित परिवार को न्याय दिया जाए।सभी अस्पतालों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। एयरपोर्ट की तरह अस्पतालों में सुरक्षा प्रोटोकॉल हो।पीड़ित परिवार को मुआवजा दिया जाए।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) बीते 3 दिनों में पीड़िता के परिवार समेत 10 से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज कर चुकी है। माना जा रहा है कि कुल 30-35 लोगों के बयान दर्ज किए जा सकते हैं।सीबीआई ने अस्पताल के कुछ डॉक्टर और छात्रों को भी पूछताछ के लिए बुलाया है। सीबीआई ने वारदात की जगह पर आरोपी के साथ सीन रीक्रिएट भी किया है। अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष से भी एजेंसी ने लंबी पूछताछ की है।

9 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज के सेमिनार हॉल में एक महिला डॉक्टर का शव मिला। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में डॉक्टर की हत्या से पहले रेप की पुष्टि हुई। उसकी आंख, मुंह, पैर, गर्दन, हाथ, कमर और निजी अंगों पर काफी चोटें थीं।मामले में पुलिस ने अस्पताल में आने-जाने वाले एक नागरिक स्वयंसेवक संजय रॉय को गिरफ्तार किया है।

न्यूज़ अपडेट

टैक्सी चालक और पुलिस ने अटल सेतु से कूद रही महिला को बचाया

मुंबई/एजेंसी। मुंबई में एक टैक्सी चालक के पुलिस के सहयोग से अटल सेतू से कूदकर आत्महत्या कर रही एक महिला को बचाने का प्रेरणादायक मामला सामने आया है।दरअसल, महिला शुक्रवार शाम 7 बजे न्हावा शेवा में अटल बिहारी वाजपेयी ट्रांस हार्बर लिंक ब्रिज (अटल सेतु) से कूदकर आत्महत्या कर रही थी।उसी दौरान एक टैक्सी चालक ने उसे पकड़ लिया और फिर मुंबई पुलिस के सहयोग से उसे बचा लिया। इस घटना का वीडियो अब वायरल हो रहा है। पुलिस ने बताया कि मुलुंड निवासी रीमा मुकेश पटेल शाम करीब 7 बजे टैक्सी से जा रही थी। उसने चालक संजय यादव से भगवान की तस्वीरें समुद्र में विसर्जित करने की कहकर कार को पुल पर रुकवा लिया। इसके बाद वह अचानक अटल सेतु के सुरक्षा बैरियर से कूदने लगती है।

उदयपुर हिंसा : आरोपी छात्र के घर चला बुलडोजर, शिक्षा विभाग ने कैंची-चाकू लाने पर लगाया प्रतिबंध

उदयपुर/एजेंसी।

राजस्थान के उदयपुर जिले के सरकारी स्कूल में 10वीं कक्षा के छात्र को चाकू मारने की घटना के बाद भड×की हिंसा को लेकर सरकार ने बड़ा कदम उठाया है।मामले में सुबह आरोपी छात्र के घर को अवैध बताकर उसे खाली करने का नोटिस थमाया गया और फिर दोपहर में उसे जेसीबी से ध्वस्त कर दिया गया।इसी तरह राज्य के शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर स्कूलों में कैंची-चाकू सहित धारदार या नुकीली चीज लाने पर प्रतिबंध लगा दिया।

दरअसल, भटियाणी चोहट्टा के सरकारी स्कूल में 10वीं कक्षा के दो छात्रों के बीच में झगड़ा होने पर एक छात्र ने दूसरे की जांघ में चाकू मार दिया था।उसके बाद घायल छात्र की मौत होने की अफवाह फैल गई और लोगों में घटना को लेकर रोष फैल गया।उग्र भीड़ ने बाजारों में तोड×फोड़ कर एक गैराज में खड़ी तीन कारों का आग लगा दी। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर कर अतिरिक्त जाब्ता तैनात किया और धारा-144 लगा दी।

मामले में लोगों के विरोध को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी छात्र को गिरफ्तार कर लिया और उससे घटना का कारण पूछा। इसमें आरोपी छात्र ने दोनों के बीच पुराना विवाद होने की बात कही। घटना के बाद लोगों ने आरोपी छात्र के घर के अवैध बताते हुए उसे ध्वस्त करने की मांग की।इसी तरह सुबह उदयपुर बार एसोसिएशन ने भी प्रदर्शन किया। वकीलों ने कोर्ट चौराहे पर टायर जलाकर आक्रोश जताया।बाद में प्रशासन ने कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रशासन ने आरोपी के घर की जांच कराई तो वह वन भूमि में अवैध रूप से बना मिला। इस पर वन विभाग ने नोटिस जारी कर उसे खाली करने का आदेश दे दिया।

नोटिस जारी करने के कुछ घंटों बाद उदयपुर नगर निगम के अधिकारी दो जेसीबी लेकर आरोपी के घर पहुंच गए और उसे तत्काल खाली करने का आदेश दे दिया, जबकि नोटिस में उसे 20 अगस्त तक का समय दिया गया था।प्रशासन ने सबसे पहले बिजली कनेक्शन काटा और फिर आनन-फानन में मकान खाली करा दिया।अधिकारियों ने जैसे ही सुनिश्चित किया की मकान में कोई नहीं है, वैसे ही जेसीबी से मकान को ध्वस्त कर दिया गया।

घटना को लेकर राज्य के शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर विद्यालयों में किसी भी प्रकार की धारदार या नुकीली वस्तु लाने पर रोक लगा दी।आदेश में कहा गया है कि उदयपुर की घटना को देखते हुए स्कूलों में किसी भी प्रकार का धारदार हथियार जैसे चाकू, छूरी, धारदार कैंची या किसी भी नुकीली वस्तु को लाना सख्त मना है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस के बाद स्वास्थ्य मंत्रालय का बड़ा ऐलान

● डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए बनेगी कमेटी

नईदिल्ली/एजेंसी। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर की हत्या और बलात्कार के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने देशभर के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में 24 घंटे हड़ताल बुलाई है. आज देशभर के सभी डॉक्टर कामकाज बंद कर प्रदर्शन कर रहे हैं और डॉक्टरों की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं. डॉक्टरी की अपील पर स्वास्थ्य मंत्रालय ने बड़ा फैसला लिया है.इससे पहले दिन में फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन) ने भी हड़ताल की घोषणा की थी

स्वास्थ्य मंत्रालय ने डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए एक कमेटी गठित करने का ऐलान किया है. मंत्रालय ने डॉक्टरों से ड्यूटी पर लौटने की आह्वान किया है. मंत्रालय ने डेंगू और मलेरिया के बढ़ते मामलों को देखते प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से अपनी ड्यूटी पर लौटने की अपील की है. हालांकि, अभी तक डॉक्टरों की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया है. इस बीच कोलकाता रेप-हत्याकांड की जांच कर रही सीबीआई की टीम आरजी कर अस्पताल में जांच पड़ताल के लिए पहुंची. इस दौरान टीम ने कॉलेज प्रिंसिपल और वरिष्ठ डॉक्टरों से पूछताछ की. इसके अलावा सीबीआई की टीम साल्टलेक में कोलकाता पुलिस की चौथी बटालियन की बैरक पहुंचकर वहां के अधिकारियों से भी पूछताछ की.

बांग्लादेश के हिंदू आखिरकार कहां शरण लें?

बांग्लादेश में हिंदू चुन-चुन कर मारे जा रहे हैं। कत्लेआम जारी है। हिंदू महिलाओं के साथ बर्बरता के वीभत्स तरीके अपनाए जा रहे हैं। महिलाओं पर अत्याचार के चित्र कठोर से कठोर व्यक्ति को विचलित करने वाले हैं। बांग्लादेशी हिंदुओं का कोई भी काम न तो सेना के खिलाफ है और न ही सेना की कठपुतली कथित सरकार के खिलाफ।अंतरराष्ट्रीय जिज्ञासा है कि इस रक्तपात की वजह क्या है? बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदू आबादी का प्रतिशत पहले ही घट रहा है। हिंदू आबादी का प्रतिशत घटने के कारण क्या हैं? दोनों देशों में हिंदू आबादी की संख्या अत्याचार, उत्पीड़न और हिंसा से घटी है। जोर जबरदस्ती का मतांतरण भी प्रमुख कारण है। मिशनरी लोगों से संबंधित साधारण घटनाएं भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बनती हैं। धर्मांतरण करने वाली शक्तियां अपना गैरकानूनी काम करती रहती हैं। उनके गलत काम का विरोध भी सारी दुनिया में चर्चा का विषय बनता है। मगर हिंदूओं की सुनियोजित हत्या पर भी कोई हलचल नहीं होती।

हिंदू बड़ी संख्या में मारे जा रहे हैं। आखिरकार हिंदुओं की हत्या अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के लिए कोई बड़ी घटना क्यों नहीं है। हिंदुओं की हत्या का मूल कारण है क्या? आहत मन कुछ मौलिक प्रश्न उठते हैं। क्या हिंदू होना एक अभिशाप है? हिंदू सारी दुनिया का लोकमंगल चाहते हैं। हिंदुओं ने कभी किसी दूसरे देश पर हमला नहीं किया। केवल हिंदू होने के कारण ही वे मौत के घाट उतार दिए जाते हैं। अबोध बच्चियों के साथ भी बलात्कार हो रहे हैं। बांग्लादेश की सेना नियंत्रित सरकार हिंदुओं की रक्षा में असफल हुई है। हिन्दू उत्पीड़न के सरोकार बड़े हैं। भारत विभाजन के पूर्व मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान की मांग की थी। इस मांग को लेकर भी हिंदुओं का भयंकर रक्तपात हुआ था। 'डायरेक्ट एक्शन डे' के नाम से व्यापक नरसंहार हुआ था। अविभाजित भारत की अंतिम जनगणना 1941 में हुई थी। तब हिंदू 84.44 प्रतिशत और मुस्लिम 13.38 प्रतिशत थे। मुसलमानों के इस प्रतिशत में आज के पाकिस्तानी और बांग्लादेशी मुसलमान भी शामिल थे। 1947 में भारत विभाजन हुआ। स्वतंत्र भारत की प्रथम जनगणना (1951) में पाकिस्तानी और बांग्लादेशी मुस्लिम जनसंख्या नहीं रही। इसलिए हिंदू आबादी का अनुपात 87.24 प्रतिशत हो गया। यहां की मुस्लिम आबादी 10.43 प्रतिशत रह गई। 50 वर्ष बाद 2001 में भारत में जनगणना हुई। हिंदू आबादी घटी और 84.21 प्रतिशत रह गई। मुस्लिम आबादी का अनुपात अविभाजित भारत के 13.38 प्रतिशत से भी ज्यादा हो गया। जनसंख्या के इसी अनुपात पर मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान मांगा था। पाया था। अब एक और पाकिस्तान की जनसंख्या हो गई है। हिंदू इस सवाल को उठाते हैं तो उन्हें सांप्रदायिक कहा जाता है। हिंदू आबादी ही सर्वपंथ समभाव और लोकतंत्र की गारंटी है।

बांग्लादेश की सीमाओं पर प्राण रक्षा के लिए व्यथित हिंदू अल्पसंख्यक हैं। वे इसीलिए मारे जा रहे हैं कि बांग्लादेश में हिंदुओं की संख्या कम है। सेकुलर दल हिंदू संहार पर मौन रहते हैं। बांग्लादेश से भारत के लिए अवैध प्रवेश होता रहा है। भारतीय संसद में अनेक बार बांग्लादेशी घुसपैठ स्वीकार की गई है। भारत के अधिकांश राजनैतिक दल हिंदू नाम के प्रयोग से डरते हैं। फिलिस्तीन को लेकर देश के सेकुलरपंथी दुख व्यक्त करते हैं। लेकिन हिंदू प्रजाति के खात्मे को लेकर मौन हैं। वाम दल भी हिंदू नरसंहार पर मौन हैं। समूची हिंदू जाति पर संकट है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार नागरिकता संशोधन कानून लायी थी। कट्टरपंथियों ने इसका विरोध किया था। वे हिंसक हो गए थे। बांग्लादेश के हिंदू आखिरकार कहां शरण लें? क्या करें? पाकिस्तानी गैर मुसलमान और हिंदू भी उत्पीड़न के शिकार हैं। पाकिस्तान में भी हिंदू हिंसा का शिकार होते हैं। ईशनिंदा कानून में बड़ी सजा है। पाकिस्तानी सरकार हिंदुओं के विरुद्ध इसका इस्तेमाल करती है। संयुक्त राष्ट्र का मानवाधिकार चार्टर भी बांग्लादेश के हिंदुओं की रक्षा नहीं कर पा रहा है। जाति, वंश, लिंग आधारित भेदभाव को निषिद्ध बताने वाले सेक्युलर हिंदू नरसंहार पर चुप हैं। प्रख्यात इतिहासकार डॉ. हर्ष नारायण ने लिखा है कि, ''वास्तव में इस्लाम कहीं भी काफिरों के साथ सहअस्तित्व को न प्रोत्साहन देता है और न अनुमति। वह इसकी संभावना पर भी विचार नहीं करता। हिंदू अपने चिंतन दर्शन में समूची धरती को परिवार मानते हैं लेकिन इस्लामी राजनीतिक चिंतन में इसकी कोई गुंजाइश नहीं। 'संस्कृति के चार अध्याय' (पृष्ठ 302) में रामधारी सिंह 'दिनकर' ने लिखा है कि, ''भारत में इस्लाम का आरंभिक इतिहास मारकाट और खुरेंजी, धर्म परिवर्तन, अभद्रता और अन्याय का इतिहास है। मुसलमान एक आदर्श मजहब और एक सुगठित समाज में जिस प्रकार आबद्ध थे, उससे उन्हें अपार नैतिक बल प्राप्त होता था। इसके विपरीत हिंदुत्व ढीला हो चुका था। हिंदुओं के धर्म, आदर्श और सिद्धांत के अनेक रूप थे। फिर भी भारत में इस्लाम की धाक उस आसानी से नहीं जमी।'' इस्लामिक कट्टरता नई बात नहीं थी और न ही हिंदू सहिष्णुता। दिनकर के अनुसार अलबेरूनी ने लिखा है कि, ''हिंदू जन्मजात अहिंसक थे। अनेक धर्मों का स्वागत करते थे। वे धार्मिक मामलों में बहुत ही सहिष्णु हो गए थे। महमूद से पहले जो मुसलमान भारत आए थे उन्हें यहां के राजाओं ने अच्छा प्रश्रय दिया था।'' हिंदू अपने सहिष्णु स्वभाव के कारण बढ़-चढ़ कर नहीं लड़ते थे। दिनकर ने लिखा है कि, ''लड़ाई और मारकाट के दृशय तो हिंदुओं ने बहुत देखे थे। उन्हें सपने में भी यह ख्याल नहीं था कि दुनिया की एकाध जाति ऐसी भी हो सकती हैं जो मूर्तियों को तोड़ने और मंदिरों को ध्वस्त करने में ही सुख माने। मुस्लिम आक्रमण के साथ मंदिरों और मूर्तियों पर विपत्ति आई। हिंदुओं का हृदय फट गया।''

मंदिरों और मूर्तियों पर हमले का लंबा इतिहास है। भारत में लाखों मंदिर ध्वस्त किए गए थे। लेकिन बात यहीं आकर समाप्त नहीं हुई। वे हिंदू समाज को समाप्त करने के मकसद से किसी भी तरह की लड़ाई पर आमादा रहे हैं। हिंदू और मुसलमान के बीच की दूरी पाट कर एक सहअस्तित्वपूर्ण समाज बनाने के अनेक उपाय किए गए। महात्मा गांधी ने हिंदू मुस्लिम एकता का व्रत लिया था। अंत में उन्होंने लिखा कि, ''हिंदू मुस्लिम एकता के प्रश्न पर मैं हार गया।'' दिनकर के अनुसार इस्लाम केवल नया मत नहीं था। यह हिंदुत्व का ठीक विरोधी मत था। हिंदुत्व की शिक्षा थी कि किसी भी धर्म का अनादर मत करो। मुसलमान मानते थे कि जो धर्म मूर्ति पूजा में विश्वास करता है उसे नस्तेनाबूत कर देना चाहिए।'' प्रत्येक व्यक्ति को अपने विचार के अनुसार जीवन जीने का अधिकार है और अपने अंत:करण के अनुसार मत, मजहब, रिलीजन को मानने का भी। बांग्लादेश के मामले में विचार या आस्था का कोई प्रश्न नहीं है। बच्चों और महिलाओं के अंग भंग करना, जान से मार देना सारी दुनिया को अनुचित और बर्बर लगा है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया निराशाजनक है। हिंदुओं के विरुद्ध जारी हिंसा का सम्बंध रक्तपात करने में विश्वास करने वाली मानसिकता से है। हिंदू मारे जा रहे हैं और हम कुछ नहीं कर सकते। ऐसी विवशता और लाचारी हृदयविदारक है।

युवा-सी ताजगी के साथ दिलों पर राज करने वाले गुलजार

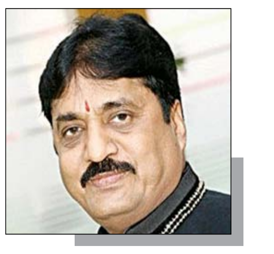

ललित गर्ग

गुलजार भारतीय गीतकार, कवि, पटकथा लेखक, फिल्म निर्देशक तथा नाटककार हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से कागजों पर लफ्जों को एक नई शक्ल, एक नई जिन्दगी, एक नई संवेदना एवं एक नई जिजीविषा को रचते हुए न केवल भारत बल्कि दुनिया के लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ख्याति प्राप्त की है। वे हिन्दी गीतों एवं संवादों के ऐसे राजकुमार हैं, जिन्होंने 88 साल के होकर भी युवा-सी ताजगी के साथ श्रोताओं दिलों पर राज किया है। उन्होंने बोलचाल की भाषा में शायरी करते हुए, गीत एवं संवाद लिखते हुए अपने सृजन से यौवन की दहलीज वालों के लिये प्रेम को जीवंतता दी है तो जवानी पार कर चुके बुजुर्गों के लिये जीने का नया अंदाज देकर प्रभावित किया है। उनके गीतों में श्रृंगार रस, लेखनी में संवेदनाएं एवं आत्मा में अध्यात्म-रस बसा हुआ है। वे ऐसे गीतकार, संवाद लेखक एवं शायर हैं, जिनके जीवन की चादर पर सकारात्मकता, संवेदना एवं प्रेम के रंग बिखरे हुए है। गुलजार दार्शनिक कवि-गीतकार हैं तो सनातन सत्य एवं जीवनमूल्यों को सहजता से उद्घाटित करने वाले जादूगर भी है।

सम्पूर्ण सिंह कालरा उर्फ गुलजार का जन्म 18 अगस्त 1936 में दीना, झेलम जिला, पंजाब में हुआ था, जोकि अब पाकिस्तान में है। गुलजार अपने पिता की दूसरी पत्नी की इकलौती संतान हैं। उनके पिता का नाम माखन सिंह कालरा और माँ का नाम सुजान कौर था। जब गुलजार बेहद मासूम और छोटे थे तभी उनकी माँ का निधन हो गया। देश के विभाजन के वक्त इनका परिवार पंजाब के अमृतसर में आकर बस गया। वहीं से गुलजार मुंबई चले आए। मुंबई आकर उन्होंने एक गैरेज में बतौर मैकेनिक का काम करना शुरू कर दिया एवं खाली समय में शौकिया तौर पर कवितायें लिखने लगे। इसके बाद उन्होंने गैरेज का काम छोड़ हिंदी सिनेमा के मशहूर निर्देशक बिमल राय, हृषिकेश मुखर्जी और हेमंत कुमार के सहायक के रूप में काम करने लगे। गुलजार की शादी तलाकशुदा अभिनेत्री राखी गुलजार से हुई हैं। हालांकि बेटी के जन्म के बाद गुलजार एवं राखी अलग हो गये। लेकिन गुलजार और राखी ने कभी भी एक-दूसरे से तलाक नहीं लिया। उनकी एक बेटी हैं-मेघना गुलजार जोकि एक फिल्म निर्देशक हैं।

अपनी सोच एवं कलम की जादूगरी से गुलजार सिनेमा की दुनिया और सिनेमा प्रेमियों के जीवन का एक जरूरी हिस्सा बन गये हैं। गुनगुनाते गीतों एवं संवादों में जीवन एवं संवेदनशील किरदारों में अपना अक्स देखनेवाले दर्शक न गुलजार की फिल्मों को भूल सकते हैं और न ही गीतों को। वे प्रेम भरे गाने लिखते हैं तो भक्तिमय भी। 'मोरा गोरा अंग लइ ले, मोहे श्याम रंग दे दई... सिनेमा की चमक-दमक में वे श्याम रंग की चाहत को भी उकेर देते हैं। स्क्रीन प्ले लिखते हैं तो आनंद जैसी फिल्म जिसका नायक हंसते-हंसते पल-पल करीब आती मौत के लिए तैयार नजर आता है। फिल्म बनाते हैं तो वो 'आंधी' और 'मौसम' की शक्ल में सामने आते हैं, जहां संवेदनाओं का ज्वार अपने चरम पर नजर आता है। टीवी सीरियल की बात होती है तो मिर्जा गालिब को जीवंत कर देते है। मिर्जा गालिब टीवी धारावाहिक की हैसियत कुछ वैसी है जैसे बड़े पर्दे पर मुगले-आजम की बनी थी। बच्चों के लिए लिखा तो जंगल जंगल बात चली है, पता चला है, चड्डी पहनकर फूल खिला है, बच्चों की जिन्दगी का अहम हिस्सा बन गया। गुलजार बंटवारे के दौर की हिंसा को सालों तक नहीं भूल पाए। तब वे ग्यारह-बारह साल के थे। अपनी आंखों के सामने उन्होंने सैकड़ों लोगों का कत्ल होते देखा था। लाखों लोगों को रातोंरात उजड़ने की भयावहता भी उनके दिलोदिमाग में घर कर गयी थी। कच्ची उम्र के जख्म जिंदगी भर नहीं जाते। गुलजार के अंदर भी यह पूरा हादसा किसी खतरनाक मंजर की तरह उबलता रहता है, सालता रहता है।

तभी तो गुलजार लिखते हैं- आंखों को वीजा नहीं लगता, सपनों की सरहद होती नहीं, बंद आंखों से रोज मैं सरहद पार चला जाता हूं। माचिस फिल्म बनाते हैं तो उनका दर्द कुछ यूं छलक आता है- छोड़ आए हम वो गलियां, छोड़ आए हम वो गलियां।। लेकिन गुलजार इसी दर्द से सिमटे भर नहीं रहे। वे कहते हैं, वक्त के साथ समझ में आया कि कम कहने में ज्यादा अर्थवत्ता है। ज्यादा कहने से अर्थ ही निस्तेज हो जाते हैं। इसलिए यही गुलजार जब मस्ती के मूड में आते हैं तो बखूबी लिख डालते हैं- गोली मार भेजे में, भेजा साला शोर करता है। यही गुलजार जब प्रेम कविता लिखते हैं- तुम्हारे गम की डली उठा कर, जुबां पर रख ली है देखो मैंने। वह कतरा कतरा पिघल रही है, मैं कतरा कतरा ही जी रहा हूं।

खूबसूरती एवं जीवन के रंगों को हम प्रतीकों में पहचानते आए हैं और प्रतीक देश-काल, समाज-संस्कृति, जीवन एवं सोच, राजनीतिक माहौल के साथ बदलते रहते हैं। लेकिन गुलजार जैसे प्रेम और सौन्दर्य के महान् गीतकार अपनी काबिलीयत से जब नये रंग भरने लगता है तो जनमानस में व्याप्त खूबसूरती के पैमाने खुद-ब-खुद बदलने लगते हैं। गुलजार के पूरे जीवन में ये साफ नजर आता है कि समय के साथ वे खुद को बदलते रहे। उनका फोकस कभी डगमगाता नहीं दिखा, वह भी तब जब उनके अपने जीवन में 'आंधी' आ गई थी। दरअसल, आज से यही कोई 50 साल पहले 18 अप्रैल, 1973 को गुलजार और राखी ने आपस में प्रेम विवाह किया था। इस शादी में उस वक्त की भारतीय सिनेमाई दुनिया के तमाम दिग्गज शरीक हुए थे। गुलजार के जीवन के पन्नों पर टंके हैं जीवन के, जिजीविषा के, सृजन के, संघर्ष के मंजर। जो हर कोण से एवं हर मोड़ से कुछ नया एवं विलक्षण करता रहा है। उनका हिंदी सिनेमा में करियर बतौर गीत लेखक एस. डी. बर्मन की फिल्म बंधिनी से शुरू हुआ। साल 1968 में उन्होंने फिल्म आशीर्वाद का संवाद लेखन किया। इस फिल्म में अशोक कुमार नजर आये थे। इस फिल्म के लिए अशोक कुमार को फिल्मफेयर बेस्ट एक्टर का अवार्ड भी मिला था। इसके बाद उन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों के गाने लिखे जिसके लिए उन्हें हमेशा आलोचकों और दर्शकों की तारीफें मिली। साल 2007 में उन्होंने हॉलीवुड फिल्म स्लमडॉग मिलेनियर का गाना जय हो लिखा। उन्हें इस फिल्म के ग्रैमी अवार्ड एवं सर्वश्रेष्ठ गीत का ऑस्कर पुरस्कार मिल चुका है। उन्हें 2004 में भारत के सर्वोच्च सम्मान पद्म भूषण से भी नवाजा जा चूका है। गुलजार अनेक पुरस्कार और सम्मान से नवाजे जा चूके हैं। जिनमें प्रमुख हैं- 5 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, 22 फिल्मफेयर अवाड्र्स, 1999 से 2000 तक के लिए मध्य प्रदेश सरकार से राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान प्राप्त, साल 2008 में सर्वश्रेष्ठ मूल गीतों के लिए अकादमी पुरस्कार, 2010 में एक ग्रैमी अवार्ड, 2002 में उर्दू के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार, 2013 में दादा साहेब फाल्के पुरस्कार आदि। बतौर निर्देशक भी हिंदी सिनेमा में अपना बहुत योगदान दिया हैं। जिनमें उनकी प्रमुख फिल्में हैं-मेरे अपने, परिचय, कोशिश, अचानक, खुशबू, आँधी, मौसम, किनारा, किताब, अंगूर, नमकीन, मीरा, इजाजत, लेकिन, लिबास, माचिस, हु तू तू। उन्होंने अपने निर्देशन में कई बेहतरीन फिल्में दर्शकों को दी हैं। जो लीक से हटकर होने के कारण दर्शकों के द्वारा सराही गयी है और उनके दिलों में बस गयी है। जिन्हे दर्शक आज भी देखना पसंद करते हैं।

उन्होंने बड़े पर्दे के अलावा छोटे पर्दे के लिए भी काफी कुछ लिखा है। जिनमे दूरदर्शन का शो 'जंगल बुक' भी शामिल है। ख्याति के ऊंच शिखरों पर आरूढ़ गुलजार का जीवन प्रेरक, सहज एवं सादगीमय है। मुंबई में रहने के बाद भी गुलजार तड़के पाँच बजे उठ जाते हैं। कहते हैं सूर्य उन्हें जगाए उससे पहले वे सूर्य को जगाना चाहते हैं। टीवी पर टेनिस और क्रिकेट का मैच आ रहा हो तो गुलजार कोई दूसरा काम नहीं करते। इन खासियतों के अलावा सार्वजनिक जीवन में गुलजार के व्यक्तित्व के दो अहम पहलू और भी हैं। शांत और सौम्य नजर आने वाले गुलजार हमेशा सफेद कपड़ों में ही दिखाई देते हैं, जिसने उन्हें एक स्वतंत्र पहचान दे दी है। गुलजार हम सबके चहेते हैं तो अपने गीतों के लिए, अपनी फिल्मों के लिए। अपनी शायरी और कविताओं के लिए। अपनी कहानियों के लिए। अपनी जिंदादिली के लिए।

आलोचकों की परवाह न कर अपनी राह चलते हैं प्रधानमंत्री

प्रो. संजय द्विवेदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में कुछ तो खास है कि वे अपने विरोधियों के निशाने पर ही रहते हैं। इसका खास कारण है कि वे अपनी विचारधारा को लेकर स्पष्ट हैं और लीपापोती, समझौते की राजनीति उन्हें नहीं आती। राष्ट्रहित में वे किसी के साथ भी चल सकते हैं, समन्वय बना सकते हैं, किंतु विचारधारा से समझौता उन्हें स्वीकार नहीं है। उनकी वैचारिकी भारतबोध, हिंदुत्व के समावेशी विचारों और भारत को सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बनाने की अवधारणा से प्रेरित है। यह गजब है कि पार्टी के भीतर अपने आलोचकों पर भी उन्होंने कभी अनुशासन की गाज नहीं गिरने दी,यह अलग बात है कि उनके आलोचक राजनेता ऊबकर पार्टी छोड़ चले जाएं। उन्हें विरोधियों को नजरंदाज करने और आलोचनाओं पर ध्यान न देने में महारत हासिल है। इसके उलट पार्टी से नाराज होकर गए अनेक लोगों को दल में वापस लाकर उन्हें सम्मान देने के अनेक उदाहरणों से मोदी चकित भी करते हैं।

किसी व्यक्ति की लोकतांत्रिकता उसकी अपने दल के साथियों से किए जा रहे व्यवहार से आंकी जाती है। मोदी यहां चौंकाते हुए नजर आते हैं। वे दल के सर्वोच्च नेता हैं किंतु उनका व्यवहार 'आलाकमान' सरीखा नहीं है। आप उन्हें तानाशाह भले कहें, किंतु तटस्थ विश्लेषण से पता चलता है कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद आजतक उनकी आलोचना करने वाले अपने किसी साथी के विरूद्ध उन्होंने कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होने दी। कल्पना करें कि किसी अन्य दल में अपने आलाकमान या सर्वोच्च नेता की आलोचना करने वाला व्यक्ति कितनी देर तक अपनी पार्टी में रह सकता है। नरेंद्र मोदी यहां भी रिकार्ड बनाते हैं। जबकि भाजपा में अनुशासन को लेकर कड़ी कारवाईयां होती रही हैं। भाजपा और जनसंघ के दिग्गज नेताओं में शामिल रहे बलराज मधोक से लेकर कल्याण सिंह, उमा भारती, बाबूलाल मरांडी, बीएस येदुरप्पा जैसे दिग्गजों पर कार्रवाइयां हुई हैं, तो गोविंदाचार्य पर भी एक कथित बयान को लेकर गाज गिरी। उन्हें अध्ययन अवकाश पर भेजा गया, जहां से आजतक उनकी वापसी नहीं हो सकी है। मोदी का ट्रैक अलग है। वे आलोचनाओं से घबराते नहीं और पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र की छूट देते हुए अपने आलोचकों को भरपूर अवसर देते हैं।

यह कहा जा सकता है कि मोदी आलोचनाओं के केंद्र में रहे हैं, इसलिए इसकी बहुत परवाह नहीं करते हैं। वे कहते भी रहे हैं कि उनके निंदक जो पत्थर उनकी ओर फेंकते हैं, उससे वे अपने लिए सीढ़ियां तैयार कर लेते हैं। 2014 में उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद पार्टी के भीतर भी उनके आलोचकों और निंदकों की पूरी फौज सामने आती है, जो तमाम मुद्दों पर उन्हें घेरती रही है। आश्चर्यजनक रूप से मोदी उनके विरूद्ध पार्टी के अनुशासन तोड़ने जैसी कार्यवाही भी नहीं होने देते हैं। इसमें पहला नाम गाँधी परिवार से आने वाले वरूण गांधी का है, जिन्हें भाजपा ने सत्ता में आने के बाद संगठन में महासचिव का पद दिया। वे सांसद भी चुने गए। किंतु पार्टी संगठन में उनकी निष्क्रियता से महासचिव का पद चला गया और वे मोदी के मुखर आलोचक हो गए। अपने बयानों और लेखों से मोदी को घेरते रहे। बावजूद इसके न सिर्फ उनको 2019 में भी लोकसभा का टिकट मिला, बल्कि आज भी वे पार्टी के सदस्य हैं। खुलेआम आलोचनाओं और अखबारों में लेखन के बाद भी उन्हें आज तक एक नोटिस तक पार्टी ने नहीं दिया है। हां, इस बार वे टिकट से जरूर वंचित हो गए। उनकी जगह कांग्रेस से आए जितिन प्रसाद को पीलीभीत से लोकसभा का टिकट मिल गया। जतिन जीत भी गए।

दूसरा उदाहरण फिल्म अभिनेता और अटलबिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री रहे शत्रुघ्न सिन्हा का है। सिन्हा मोदी के मुखर आलोचक रहे और समय-समय पर सरकार पर टिप्पणी करते रहे। अंततः वे भाजपा छोड़कर पहले कांग्रेस, फिर तृणमूल कांग्रेस में चले गए। अब वे आसनसोल से तृणमूल के सांसद हैं। यही कहानी पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता यशवंत सिन्हा की है। उन्होंने भी मोदी विरोधी सुर अलापे और अंततः पार्टी छोड़कर चले गए। उनके पार्टी छोड़ने के बाद भी उनके बेटे जयंत सिन्हा को 2019 में भाजपा ने लोकसभा की टिकट दी। जयंत सिन्हा मोदी सरकार में मंत्री भी रहे। इस बार जयंत का टिकट कट गया। ऐसे ही उदाहरणों में क्रिकेटर कीर्ति आजाद भी हैं। मोदी सरकार के विरूद्ध उनके बयान चर्चा में रहे, संप्रति वे तृणमूल कांग्रेस के साथ हैं।

लेखक और दिग्गज पत्रकार अरूण शौरी, अटल जी की सरकार में मंत्री रहे। उनका बौद्धिक कद बहुत बड़ा है। एक इंटरव्यू में अरुण शौरी ने कहा कि ''नरेंद्र मोदी के बारे में उनके अधिकारी ही मुझे कहते हैं कि उनके सामने बोल नहीं सकते। मंत्री डरे हुए रहते हैं। कोई कुछ बोल नहीं पाता है उनके सामने। उनके सामने जाने और कुछ भी कहने से पहले लोग डरे रहते हैं और सोच समझकर बोलते हैं। हालांकि अटल जी की पर्सनालिटी ऐसी थी कि लोग उनसे अपनी बात कहना चाहते थे और वह सुनते भी थे। उनकी एक खास बात यह भी थी कि वह भी यह जानना चाहते थे कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। वह पूछा करते थे और लोग बिना किसी डर के बताते भी थे।'' तीखी आलोचनाओं के बाद भी मोदी का उनके प्रति सौजन्य कम नहीं हुआ और वे शौरी की बीमारी में उन्हें देखने अस्पताल जा पहुंचे और उनके परिजनों से भी मुलाकात की। अरुण शौरी और पीएम मोदी के रिश्तों में उस समय सबसे ज्यादा खटास देखी गई, जब अरुण शौरी यशवंत सिन्हा के साथ राफेल मामले को सुप्रीम कोर्ट लेकर पहुंच गए। यहां पर उन्होंने मामले की जांच और सौदे पर सवाल उठाए थे । हालांकि सुप्रीम कोर्ट में सरकार को क्लीन चिट मिल गई। रिश्तों में आई खटास के बावजूद भी पीएम मोदी ने पुणे स्थित अस्पताल में अरूण शौरी से मुलाकात की। इस मुलाकात के फोटो शेयर करते हुए लिखा- ''आज पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण शौरी जी से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उनके साथ इस दौरान बहुत अच्छी बातचीत हुई। हम उनकी दीर्घायु और स्वस्थ्य जीवन की कामना करते हैं।''

अपने तीखे तेवरों के चर्चित सुब्रमण्यम स्वामी कभी जनसंघ-भाजपा से जुड़े रहे। बाद में वे भाजपा से अलग होकर जनता पार्टी के अध्यक्ष बने। केंद्र में मंत्री भी बने। 2014 में सत्ता में आने के बाद मोदी ने स्वामी को राज्यसभा के लिए भेजा। स्वामी इससे कुछ अधिक चाहते थे। जाहिर है इन दिनों वे मोदी के प्रखर आलोचक बने हुए हैं। किंतु उनकी आलोचनाओं पर मोदी या भाजपा ने कभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। एक साक्षात्कार में स्वामी ने कहा कि ''मैं बीजेपी का हिस्सा हूं...मैं इनके साथ लंबे समय से साथ हूं। मुझे पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी से भी दिक्कत थी लेकिन इतनी समस्या नहीं थी, जितनी कि पीएम नरेंद्र मोदी से है।'' भाजपा छोड़कर जा चुके पूर्व केंद्रीय मंत्री आरिफ मोहम्मद खान को वापस लाकर मोदी ने उन्हें केरल के राज्यपाल पद से नवाजा। राज्यपाल के पद पर बैठकर मोदी की आलोचना करते रहे सतपाल मलिक को भी प्रधानमंत्री पद से नहीं हटाते, बल्कि कार्यकाल पूरा करने का अवसर देते हैं। जबकि राज्यपाल एक संवैधानिक पद है और उस पद पर बैठे व्यक्ति को केंद्र सरकार की सार्वजनिक आलोचना से बचना चाहिए। किंतु सतपाल मलिक ऐसा करते रहे और मोदी उनकी सुनते रहे। इसी तरह झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी नाराज होकर पार्टी से बाहर थे और अपनी पार्टी बनाकर सक्रिय थे। भाजपा ने मोदी के कार्यकाल में न सिर्फ उनकी पार्टी में वापसी सुनिश्चित की बल्कि उन्हें झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद भी दिया। नाराज होकर भाजपा दो बार छोड़ चुके कल्याण सिंह(अब स्वर्गीय) को राजस्थान का राज्यपाल बनाया गया। उनके पुत्र राजबीर को लोकसभा की टिकट और पौत्र संदीप सिंह को उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री का पद मिला है। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री रहीं उमा भारती भी 'भाजपा के अनुशासन चक्र' का शिकार रहीं।

मोदी ने उन्हें अपनी सरकार में मंत्री बनाया और उनके साथ भाजपा छोड़कर गए प्र''ाद सिंह पटेल मोदी सरकार में राज्यमंत्री बने। अब पटेल मध्यप्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। ये उदाहरण बताते हैं मोदी अपने लोगों के प्रति खासे उदार हैं। वे अपनी 'निजी आलोचना' की बहुत परवाह नहीं करते और गांठ नहीं बांधते। निजी रिश्तों को राजनीति से ऊपर रखते हैं। वे शरद पवार के अभिनंदन समारोह में शामिल हो सकते हैं, मुलायम सिंह यादव के परिवार में आयोजित विवाह समारोह में भी इटावा भी जा सकते हैं। उनकी ताकत है कि वे कश्मीर में महबूबा मुफ्ती के साथ भाजपा की सरकार बनाने की अनुमति दे सकते हैं। राजनीतिक समझ-बूझ के साथ अपने वैचारिक आग्रहों पर डटे रहना मोदी की विशेषता है। इसलिए वे भारतीय राजनीति की पिच पर आज भी मजबूती से जमे हुए हैं।

(लेखक भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी), नयी दिल्ली के पूर्व महानिदेशक हैं।)

बच्चों को संस्कारित करती बाल पत्रिका 'बच्चों का देश'

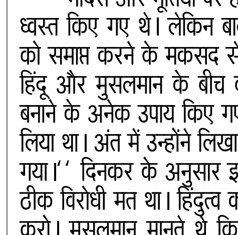

प्रमोद दीक्षित मलय

किसी भी समाज और देश का आधार बच्चे होते हैं क्योंकि बच्चे ही भविष्य हैं इसलिए वर्तमान पीढ़ी का यह परम कर्तव्य होता है कि वह भविष्य की पीढ़ी को न केवल शारीरिक रूप से दृढ़ एवं बल संपन्न बनाए बल्कि चारित्रिक दृष्टि से भी उत्तम गुणों का विकास करने में सहायक सिद्ध हो। यह कार्य परिवार, समाज एवं विद्यालय द्वारा ही किया जाता है किंतु इस कड़ी में बाल पत्रिकाओं का भी नाम लिया जा सकता है और 'बच्चों का देश' नामक मासिक राष्ट्रीय बाल पत्रिका इस दिशा अग्रसर है। बाल पत्रिकाएं बच्चों को न केवल मेधावी, दूरदर्शी, कल्पना शक्ति संपन्न, अभिव्यक्ति में मुखर बनाने में मददगार होती हैं बल्कि देश के सांस्कृतिक गौरव, इतिहास बोध, भौगोलिक एवं पर्यावरणीय चेतना से लैस करती हैं। जीवन में लोकतांत्रिकता, सामूहिकता, परस्पर न्याय एवं विश्वास, प्रेम, मधुरता, शांति एवं अहिंसा के साथ मानवीय मूल्यों से भी परिचित कराती हैं। बाल पत्रिकाओं में यदि 'बच्चों का देश' जैसी पत्रिका हो तो यह गर्व करने की बात है जो बच्चों को संस्कारित करने का कार्य विगत चौथाई सदी से कर रही है। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी द्वारा राजसमंद, राजस्थान से प्रकाशित 'बच्चों का देश' बाल पत्रिका इस अगस्त में अपनी रजत जयंती मना रही है। कारगिल युद्ध के बाद 15 अगस्त, 1999 में जयपुर से प्रकाशित 'बच्चों का देश' के प्रवेशांक संपादकीय 'आओ विचारें' में संपादक कल्पना कहती हैं, "विजय मिली है सीमा पर, वीरों के बलिदान से। कर्तव्य निभाना है हमको अब देशभक्ति के नाम से। आगे वह लिखती हैं, "बच्चो! आपके अंदर साहस का खजाना भरा है। आपको अपनी शक्तियों को पहचानना होगा। उनको अच्छे कार्यों में लगाना होगा। आप अवशय अभी छोटे हो पर यह मत भूलो कि आने वाले समय में आप ही इस देश को संभालने वाले हो।" पत्रिका का प्रथम अंक बहुरंगी है। न केवल आवरण बल्कि अंदर के पृष्ठों की साज-सज्जा भी विषय वस्तु के अनुरूप चित्रांकन के साथ की गई है जो न केवल बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करती है बल्कि उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित भी करती है। 'बच्चों का देश' के संस्थापक संरक्षक बालसेवी श्री मोहनलाल जैन प्रवेशांक में बच्चों को प्रेरक संदेश देते हुए 'दादा का पत्र' अंतर्गत 'सफलता की कुंजी' शीर्षक आलेख में विचार व्यक्त करते हैं, "आप बालक हैं। आपका बालकपन महान् है। सफलताओं की मूल भूमिका बालकपन में ही बनती है। महानता की पगडंडियां बनाने का समय बालकपन ही है। दृढ संकल्प संजोते रहो। आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते जाओ। आपकी आज की पगडंडी एक दिन राजपथ बन जाएगी। आत्मबली के लिए कुछ भी असंभव नहीं होता। कर्मवीर ही तो असंभव को संभव बनाता है।" यह पंक्तियां बच्चों में नव ऊर्जा, उत्साह एवं उल्लास का संचार करती हैं। उन्हें जीवन में हमेशा कुछ नया रचने-गुनने को प्रेरित करती हैं। ये पंक्तियां पढ़ते हुए मेरे स्मृति पटल पर गिजुभाई बधेका की स्मृति सहज ही उभर आती है जो बच्चों के लिए तमाम पारिवारिक एवं विद्यालयीय बंधनों से आजादी की पैरवी करते हैं। उनके लिए विद्यालयों में निर्भय एवं स्वतंत्र रचनात्मक वातावरण बनाने की पुरजोर कोशिश करते हुए ऐसा सकारात्मक परिवेश उपलब्ध कराने की बात करते हैं जहां बच्चे अपनी कल्पना को आकार दे सकें, जहां वे एक-दूसरे से सीखते हुए बेहतर इंसान बन सकें। यह कहना सर्वथा उचित होगा कि मोहन भाई अपने युग के गिजुभाई ही तो थे जो बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए न केवल उनके लिए उपयुक्त समुचित वातावरण तैयार करने का विचार प्रस्तुत करते हैं बल्कि विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से सहज रूप में वह स्थान उपलब्ध भी कराते हैं। बालोदय की कल्पना और क्रियान्वयन एक उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है, जहां न केवल स्थानीय विद्यालयों से बल्कि देश के विभिन्न स्थानों से बच्चे और शिक्षक बाल मनोविज्ञान आधारित तीन दिवसीय संवाद कार्यक्रम को सीखने समझने-आते हैं। यह बालोदय संवाद उनमें बेहतर दुनिया के भविष्य के बीज रोपता है जहां शांति और अहिंसा की छांव में मानवता की सुमन सुवास लोक को सुरभित करेगी।

'बच्चों का देश' की इस रजत यात्रा का पथ निष्कंटक एवं उजाला भरा नहीं रहा है। पग-पग पर चुनौतियों के झंझावात मिले तो बाधाओं के हठीले पठार भी। अंधकार के बादल मंडराये और नुकीले कंकड़-कंटक भी। पर वह 'बच्चों का देश' की बाल साहित्य साधना को विचलित न कर सके। अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किए अविचल रहते हुए तमाम चुनौतियों से जूझते अपने सर्जना पथ पर बढती रही है यह पत्रिका। किंतु प्रकृति के नियम से कौन परे है। 24 अप्रैल, 2014 को पत्रिका के संरक्षक मार्गदर्शक पितृपुरुष भाई मोहनलाल जैन के निधन से बच्चों का देश ने अपनी स्नेहिल छांव खोई तो पांच दिन बाद ही 29 अप्रैल, 2014 को संपादक दीदी कल्पना जैन पत्रिका परिवार को रोता-बिलखता छोड़ गयीं। यह 'बच्चों का देश' के लिए किसी वज्रपात से कम न था। दो विभूतियों के सान्निध्य से वंचित 'बच्चों का देश' का प्रकाशन तब डेढ़ वर्ष तक बाधित रहा। पर मोहनभाई की वैचारिक पूंजी के सम्बल ने पांव डिगने न दिए। नये रास्ते खुले और जनवरी 2018 से अणुविभा की समृद्ध स्नेह छांव पा 'बच्चों का देश' फिर मुस्कुराने लगा और हजारों बाल पाठकों के चेहरों पर खुशियों के नन्हे सूरज उग आये। जुलाई 2024 अंक को सामने रखकर बात करूं तो इसमें 7 कहानियां, 6 आलेख, 9 गीत एवं कविताएं, 13 नियमित स्तम्भ एवं विविधा अंतर्गत 9 विषयों पर सामग्री संग्रहीत की गई है। दस सवाल-दस जवाब, अंतर ढूंढिए, नन्हा अखबार, वर्ग पहेली, दिमागी कसरत, चित्रकथा आदि बच्चों को हमेशा पसंद आने वाली गतिविधियां हैं। जब बाल पत्रिकाएं असमय काल कवलित हो रही हों तब ऐसे कठिन समय में बाल हितैषी पत्रिका 'बच्चों का देश' का पच्चीस वर्ष पूर्ण करना स्वाभाविक रूप से खुशी का पल है। 'बच्चों का देश' सफलता के नवल आयाम स्पर्श कर कीर्तिमान रचे, सतत गतिमान रहे, यही मंगल कामना है।

(लेखक शिक्षक हैं एवं शैक्षिक संवाद मंच के संस्थापक हैं।)

धौलपुर राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) ब्लांक धौलपुर के ब्लांक अध्यक्ष अजमेर सिंह बने

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण) । आज राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर)की बैठक का आयोजन सुभाष पार्क धौलपुर में किया गया। जिला अध्यक्ष औतारसिंह लहरी ने बताया कि जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया गया और अजमेर सिंह प्रधानाध्यापक को ब्लॉक धौलपुर का ब्लांक अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया। सभाध्यक्ष नेतराम प्रभाकर, उपसभाध्यक्ष रामनरेश भृगु, संरक्षक जलसिंह लहरी एवं नवनियुक्त धौलपुर ब्लॉक अध्यक्ष

अजमेर सिंह का माला व मिठाई खिलाकर सम्मान किया गया । बैठक में निम्न बिंदुओं पर चर्चा कर प्रस्ताव पारित किए गए। सत्र 2024 -25 में अधिक से अधिक सदस्यता अभियान चलाया जाये, वर्तमान सरकार छात्र हित को ध्यान में रखते हुए रोस्टर प्रणाली अनुसार शिक्षकों के सभी संवर्ग की पदौन्नति शीघ्र कर लाभ प्रदान करें तथा स्थानांतरण किये जाये, सभी छात्रवृत्ति की राशि में वृद्धि की जाये, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों को स्थानांतरण में शामिल किया जाये, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में कार्यरत प्री प्राइमरी शिक्षकों का न्यूनतम ग्रेड पे 3600 किया जाये, सभाध्यक्ष नेतराम प्रभाकर ने कहा कि आगामी बैठक में समस्त जिला पदाधिकारीयों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा, संरक्षक जलसिंह लहरी ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए ब्लॉक मजबूत करने होंगे उपसभाध्यक्ष रामनरेश भृगु ने कहा कि संगठन को शिक्षको के अलावा सामाजिक कार्य भी करने चाहिए जिला कोषाध्यक्ष वीरम सिंह ने कहा कि हमें प्रत्येक स्कूल में जाकर सदस्यों को जोड़ने का कार्य किया जाना चाहिए, साथ ही बैठक में उपाध्यक्ष राजेश सिंह संयुक्त मंत्री रामकुमार मुकेश कुमार बुनकर प्रवक्ता सुशील कुमार प्रचार मंत्री रामदास महेश वर्मा कैलाश चंद्र आदि ने अपने अपने विचार रखे। इस मौके पर नेतराम प्रभाकर जलसिंह लहरी रामनरेश भृगु वीरम सिंह राजेश सिंह अजमेर सिंह कैलाश चंद्र रामकुमार मुकेश कुमार बुनकर सुशील कुमार रामदास देवेन्द्र कुमार राकेश कुमार जीतेन्द्र सिंह व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

एससी एसटी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में 21 अगस्त 24 को भारत बंद का आवाहन

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण)। बाड़ी उपखंड में आज दिनांकः-17 अगस्त 24 को होतम सिंह चेयरमैन प्रतिनिधि बाड़ी एव किशनसिंह मीणा जिला अध्यक्ष मीणा समाज की संयुक्त अध्यक्षता में अनुसूचित जाति जनजाति आरक्षण बचाओ मंच के द्वारा सार्वोच्च न्यायालय के द्वारा 1अगस्त 2024 को SC/ ST वर्गो के आरक्षण में क्रीमिलेयर एवं उपवर्गीकरण के निर्णय को विभाजनकारी एवं संविधान सम्मत नहीं होने पर तथा इन वर्गो के हित व अधिकारों के विपरीत होने के कारण केन्द्र सरकार को उक्त निर्णय के विरुद्ध अध्यादेश लाकर अपास्त/ निरस्त करने के लिये मनवाने हेतु 21 अगस्त 2024 को भारत बन्द के आव्हान का पूर्ण समर्थन देने का निर्णय

लिया गया है। बैठक के दौरान बाड़ी में अत्यावशयक वस्तुओं को छोड़कर सम्पूर्ण बंद का आव्हान किया गया है !तथा सभी प्रतिस्ठानो को बंद रखते हुए सभी से भारत बंद में सहयोग एवं समर्थन देने की अपील की गई। कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के लिये कल दिनांक 18 अगस्त 2024 को प्रातः 10 बजे से अम्बेडकर पार्क में मीटिंग आयोजित होगी।जिसमे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की गई है। बैठक के दौरान SC/ST वर्ग के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

संत कुलरिया की स्मृति में पोधारोपण

चमकता राजस्थान। जयपुर 17अगस्त। गौसेवा-मानव सेवा के प्रेरणा स्त्रोत संत श्री दुलाराम कुलरिया की नवमी पुण्यतिथि पर आ''ान जनकल्याण एवं सेवा समिति (रजि.) की ओर से ग्रीनसिटी मिशन के अंतर्गत शनिवार को पौधा रोपण किया गया। समिति सदस्य नरेश वर्मा ने बताया कि संत की पुण्यतिथि पर बजाज नगर स्थित मौलश्री उद्यान, नेहरू उद्यान और अन्य स्थानीय उद्यानों में विभिन्न प्रकार के छायादार एवं फलदार पौधे जैसे सीताफल, कनेर, जामुन, आंवला, अमरूद, शीशम आदि का पौधारोपण किया गया। इसके अतिरिक्त पाली के घाणेराव और जोधपुर शहर में भी पौधे लगाए गए। समिति सदस्यों ने बताया कि सन्त दुलाराम कुलरिया के भामाशाह सुपुत्रों भँवर-नरसी-पूनम कुलरिया ने बीकानेर मूलवास-सीलवा में प्रारंभ सघन पौधरोपण अभियान की तर्ज पर उक्त कार्यक्रम जयपुर में किया गया। पर्यावरण को सुरक्षित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।पौधारोपण के बाद सभी सदस्यों ने उनकी देखभाल करने की शपथ ली और भविष्य में भी समय-समय पर पौधारोपण करते रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कई लोगों ने अपने एवं अपने परिजनों के नाम से पौधारोपण किया और उनकी देखभाल करने का प्रण लिया। इस अवसर पर समिति के सचिव न×फीस, विजयराज के साथ ×फरोज़ आफरीदी, अधिवक्ता यूनुस खां, राजू और सुश्री सरयू शर्मा ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विशेष योगदान दिया।

जितेंद्र मंडावरा को पर्यावरण और जन जागृति के क्षेत्र में लोगों को जागरूक करने के लिए किया सम्मानित

चमकता राजस्थान। जयपुर 17अगस्त। नागरिक विकास समिति किशनपोल बाजार क्षेत्र में मजदूर निर्माण संगठन के संयुक्त तत्वाधान में 15 अगस्त को जयपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया जो विभिन्न क्षेत्रों में रहकर समाज हित और जनहित के कार्य कर रहे हैं सम्मान होने वाले सामाजिक कार्यकर्ता हेमलता कसोतिया शिक्षा के क्षेत्र में पूजा गुजराती अध्यक्ष गुजराती महिला उत्थान सेवा संगठन ,मुराद भाई ,कालूराम मजदूरों के हित में कार्य करने और जितेंद्र मंडावरा को पर्यावरण और जन जागृति के क्षेत्र में लोगों को जागरूक करने के लिए सम्मानित किया गया समिति अध्यक्ष राजेंद्र बेरवा ने बताया कि यह समिति विगत 10 सालों से 15 अगस्त पर ऐसे ही कार्यकर्ताओं का सम्मान करती है और आगे भी करती रहेगी !

राजकीय महात्मा गांधी स्कूल बास शेखावत को पूर्व विद्यार्थियों ने तीन लाख का सामान भेंट किया

चमकता राजस्थान।

अलवर (राजवीर सिंह)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में राजकीय महात्मा गांधी स्कूल बास शेखावत को पे फॉर सोसाइटी की तर्ज पर पूर्व छात्रों ने विद्यालय को दिल खोलकर दान दिया।संस्था प्रधान दुर्गेश सिंह शेखावत ने बताया कि पूर्व छात्र आलोक शर्मा और उनके समूह ने विद्यालय को एक कंप्यूटर सेट,प्रोजेक्टर, इन्वर्टर और सभी छात्र छात्राओं को जूते, मोजे, बैग,स्टेशनरी का सामान वितरित किया। सभी सामान की कीमत करीब तीन लाख रुपए है।कार्यक्रम की अध्यक्षता महेश रिजवानिया पूर्व उपनिदेशक स्कूल शिक्षा की, थाना प्रभारी बास दयाल श्रीकृष्ण बैरवा, डॉक्टर रमेश कसाना,सुरेश कसाना बालाजी सेवा समिति से नवीन कुमार,जमना दास सेवा समिति के कृष्ण कुमार,रवि सेठ सहित गांव के गण मान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।मंच संचालन ओम प्रकाश यादव ने किया तथा सुरेश सैन भवानी शंकर,रविदत्त,नरेंद्र कुमार,मोहन लाल सहित विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

कांग्रेस मुख्यालय में राजीव गांधी की जयंती पर पुष्पांजलि 20 को होगी आयोजित

चमकता राजस्थान। जयपुर 17अगस्त। जयपुर, 17 अगस्त। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. राजीव गॉंधी की जयंती के अवसर पर 20 अगस्त, को प्रदेश, जिला एवं ब्लाॅक स्तर पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

प्रदेश कांग्रेस महासचिव एवं प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि 20 अगस्त को प्रदेश, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर पुष्पांजलि कार्यक्रम के साथ ही समाज कल्याण, साम्प्रदायिक सौहार्द्र कायम करने, विज्ञान एवं तकनीकी तथा महिलाओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका तथा युवाओं से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

चतुर्वेदी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, इन्दिरा गॉंधी भवन, स्टेशन रोड, जयपुर में 20 अगस्त को प्रातः 11.00 बजे पुष्पांजलि कार्यक्रम होगा उसके पश्चात स्व. राजीव गॉंधी के जीवन दर्शन पर संगोष्ठी आयोजित होगी। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटसरा, कांग्रेस के वरिष्ठद नेता, पार्टी के विधायक, जयपुर शहर एवं देहात जिला कांग्रेस के पदाधिकारी, अग्रिम संगठनों के पदाधिकारी तथा विभागों व प्रकोष्ठों के वर्तमान/ निवर्तमान पदाधिकारी सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

पायलट ने किया अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

अतिवृष्टि प्रभावितों को शीघ्र मुआवजा दे सरकारः पायलट

चमकता राजस्थान

टोंक, 17 अगस्त। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने टोंक विधानसभा क्षेत्र के अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान पायलट ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी तथा मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों को शीघ्र गिरदावरी करवाकर प्रभावितों को मुआवजा दिलवाने के निर्देश

दिए। पायलट ने आज टोंक विधानसभा क्षेत्र की उप तहसील बरवास स्थित ग्राम मेहन्दवास, अमीनपुरा, छाणबास सूर्या तथा बरवास का दौरा कर अतिवृष्टि प्रभावित इलाकों, क्षतिग्रस्त पुलिया, पानी में डूबे खेतों आदि का निरीक्षण किया। पायलट ने कहा कि विगत दिनों हुई भारी बारीश से कई जगह बाढ़ के हालात बन गए है। लोगों के खेतों, मकानों, पशुधन को भारी नुकसान पहुंचा है। अतिवृष्टि से खेतों में खड़ी फसल बर्बाद हो गई है जिससे किसानों विशेषकर छोटे काश्तकारों को भारी नुकसान पहुंचा है। ऐसे में सरकार, प्रशासन और हम सभी जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि आगे आकर लोगों की मदद करें। उन्होंने सरकार से अपील की है कि प्रभावित क्षेत्रों में शीघ्र स्पेशल गिरदावरी करवाकर लोगों को मुआवजा दिलवाया जाये। उन्होंने कहा कि ये जो आपदा आयी है कोई नई नहीं है। इसलिए सरकार को ऐसी सरल प्रक्रिया बनानी चाहिए जिससे लोगों को इसका शीघ्र लाभ मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

पानी पीने के लिए तरसे ग्रामीण

- प्रशासन को अवगत कराने के बाबजूद पेयजल समस्या का नही हुआ निराकरण

चमकता राजस्थान। भुसावर (राजवीर सिंह)। तहसील की ग्राम पंचायत मैनापुरा के गांव चौथी रामचरण की ढाणी के निवासी पानी पीने के लिए बूंद बूंद को तरस रहे हैं। ग्रामीण सुगर सिंह जाटव का कहना है कि गांव में 25,30 घर निवास करते हैं। जिनके लिए पानी पीने के लिए कोई सार्वजनिक साधन उपलब्ध नहीं है। जिसके कारण ग्रामवासी सहित मवेशी भी पानी पीने के लिए मोहताज हो रहे हैं। पंचायत स्तर पर सरपंच से लेकर विकास अधिकारी को मौखिक एवं लिखित रूप में समस्या के बारे में कई बार अवगत कराने के बाबजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। बीते दिनों ग्रामीणों ने भुसावर विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर सार्वजनिक पानी की टंकी निर्माण कराने की मांग की थी। लेकिन प्रशासन ग्रामीणों को पेयजल समस्या से निजात दिलाने के लिए कोई उचित कदम नहीं उठा रहा है। जिसके कारण ग्रामवासियों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जल्द से जल्द प्रशासन ग्रामीणों को पानी की समस्या से निजात दिलाने के लिए सार्वजनिक पानी की टंकी का निर्माण कराए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से केन्द्रीय मंत्री रामदास अठावले ने की मुलाकात

चमकता राजस्थान। जयपुर 17अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास अठावले ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात की।
शर्मा से अठावले की यह शिष्टाचार भेंट थी। इस दौरान उनके बीच केन्द्र एवं राज्य सरकार की सामाजिक कल्याण की योजनाओं पर चर्चा हुई।

बांग्लादेश हिंसा के विरोध में मानव श्रृंखला

चमकता राजस्थान। जयपुर 17अगस्त। बांग्लादेश में हिन्दू उत्पीड़न के विरुद्ध शहर में विरोध प्रदर्शन जारी है। शनिवार को जवाहर सर्किल पर मानव श्रृंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। सैंकड़ों हिन्दू युवक युवतियां दोपहर 2:00 बजे हाथों में तख्तियां लिए हिंसा के विरोध में नारे लगा रहे थे। हिन्दूओं पर अत्याचार बंद करो, हिन्दूओं का नरसंहार बंद करो,सेव हिन्दूज जैसे नारों के साथ भारत माता के जय उद्घघोष भी गुंजायमान थे। विरोध में शामिल लोगों का कहना था कि बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतें निर्दोष हिन्दूओं को निशाना बना रहे हैं। हत्याएं, दुष्कर्म और लूटपाट जैसे दमन चक्र से हिन्दूओं की रक्षा आवशयक है।

कांग्रेस और एनएसयूआई ने 78 वा स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया

चमकता राजस्थान। भुसावर (राजवीर सिंह) 78 वा स्वतंत्रता दिवस यूथ कांग्रेस और एनएसयूआई भुसावर कार्यलय पर हेमन्त कसाना के तत्वावधान मैं मनाया गया जिसकी अध्यक्षता पीसीसी सचिव देशराज पहाड़िया के द्वारा की गयी ध्वजारोहण छोटी बच्चिया रागनी पहाड़िया और इशिता पहाड़िया ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि धारा मीना,चयनसिंह सैनी, अमित कुमार एनएसयूआई कार्यकर्ता,शिव शंकर सोनी रहे।इस अवसर पर सुरेंद्र सिंह करसोलिया, कुंवर पुष्पेंद्र सिंह गोठरा, राजकुमार सैनी, दीपक कोली,फारुक खान साहिल प्रजापत,मुखन,एनएसयूआई के प्रदेश सचिव मोहित पहाड़िया, रवि कुमार,दर्शन सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनाना अस्पताल में मरीज को वितरण किए खाने के पैकेट

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)। जनाना अस्पताल में जरूरतमंद लोग और प्रसूताओं को प्रीति अग्रवाल और भूमि गर्ग के द्वारा एवं दोनों की अध्यक्षता में सावन महीने के रक्षाबंधन त्यौहार के अवसर पर अपने टीम साथी जिसमें दिगंबर सिंह नर्सिंग ऑफिसर के साथ मिल कर पौष्टिक खाने के पैकेट वितरण किये जिसमें सभी जरूरतमंद लोगों ने और प्रसुताओं ने इस मौके पर खुशी जाहिर की।

संक्षिप्त समाचार

'राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस' के मॉप-अप दिवस में वंचित बच्चों को खिलाई कृमिनाशक दवा

- **कृमि मुक्ती दवाओं के निरंतर सेवन कार्यक्रम के माध्यम से कृमि संक्रमण को रोका जा सकता है :- डॉ विजय सिंह फौजदार**

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) जयपुर प्रथम। 17 अगस्त। शनिवार को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (एनडीडी) का मॉप-अप दिवस आयोजित हुआ। इसमे 'राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस' मे वंचित रहे बच्चों कोचिकित्सा संस्थानों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, समस्त विद्यालयों, उच्च शिक्षण संस्थाओं, तकनीकी संस्थाओं, मदरसों के माध्यम से एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय सिंह फौजदार ने बताया कि कृमि संक्रमण से बच्चो के शारीरिक विकास, हीमोग्लोबिन स्तर, पोषण और बौद्धिक विकास पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। इसे रोकने हेतु निश्चित समयान्तराल पर कृमि मुक्ति दवा खिलाने से कृमि संक्रमण के फैलाव को रोका जा सकता है। ₹मॉप-अप दिवस₹ पर 1-5 वर्ष तक की उम्र के बच्चों और 6-19 वर्ष तक की उम्र के वंचित बच्चों और किशोर-किशोरियों को कृमि मुक्ति की दवा (एलबेंडाजोल) खिलाई गई। उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम (परिवार कल्याण) डॉ. प्रवीण झरवाल ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस एक राष्ट्रव्यापी आगंनवाड़ी तथा स्कूल आधारित कृमि मुक्ति कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को कृमि मुक्त बनाकर उनके शारीरिक और मानसिक विकास को प्राकृतिक रूप से प्रोत्साहन देना है। कृमि नियंत्रण से बच्चों में खून की कमी में सुधार आता है, साथ ही बच्चों का पोषण स्तर बेहतर होता है।

देशभक्ति नारों से गूंजा मदरसा का प्रांगण

- **मदरसा मुफीदुल इस्लाम में हर्षोल्लास और उत्साह से मनाया गया 78 वां स्वतंत्रता दिवस**
- **शिक्षकों द्वारा राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन पर डाला गया प्रकाश**

चमकता राजस्थान। जयपुर/ झुंझुनूं. ! (खलील कुरैशी) कस्बे में मदरसा मुफीदुल इस्लाम में बच्चों में देशभक्ति की भावना जगाने के लिए 78वे स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। मदरसा की प्रबंध समिति के सचिव मकबूल हुसैन व अब्दुर्रहीम ने मदरसा में राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया। इस दौरान मदरसा के छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रगान गाकर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई। इस दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक तथा देशभक्ति का कार्यक्रम पेश करके खूब वाहवाही लूटी। मदरसा के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति के गीतों व नृत्यों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों ने 'सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा' गीत द्वारा ऐसा समां बांधा कि मदरसा का वातावरण देशभक्तिमय हो गया। इस अवसर पर मदरसा के बच्चों ने देशभक्ति गीत के द्वारा सभी का मन मोह लिया।कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि हमारा देश हमेशा दुनिया के विकास के दृष्टिकोण से ही कार्य करता है। हमारे तिरंगे का संदेश भी शौर्य, सच्चाई और समृद्धि के साथ प्रगतिशीलता का है। यह दिन भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों के सदियों के संघर्ष बलिदान और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अथक प्रयास किए। 15 अगस्त ही वह दिन है जब देश को अंग्रेजों की 200 सालों की गुलामी की बेडियों से मुक्ति मिली थी। इस अवसर पर हाजी जाफर हुसैन, अब्दुर्रहीम सय्यद, हाजी गुलाम हुसैन, अब्दुल हमीद खान, वसीम कुरैशी, फारुक सौलंकी, हारुन कुरैशी, अकीला बानों, समीरा बानो व रुखसार बानो सहित मोहल्ले के आमजन व छात्र-छात्राए मौजूद रहे।

जलभराव की समस्या को जड़ से मिटाएंगे - टी. रविकांत

प्रमुख शासन सचिव - यूडीएच ने किया जयपुर शहर का दौरा, अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

चमकता राजस्थान

जयपुर, (खलील कुरैशी) 17 अगस्त! मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा गत दिनों जयपुर शहर में हुई अतिवृष्टि के पश्चात किए गए दौरे के दौरान प्रदत्त आदेशों की अनुपालना में प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत द्वारा जयपुर विकास आयुक्त मंजू राजपाल, नगर निगम हेरिटेज कमिश्नर अभिषेक सुराणा, नगर निगम ग्रेटर कमिश्नर रुकमणि रियार, जयपुर कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित, जेडीए सचिव हेमपुष्पा शर्मा, जेडीए निदेशक अभियांत्रिकी प्रथम एवं द्वितीय, राजस्थान आवासन मण्डल के मुख्य अभियंता, डीसीपी ट्रैफिक एवं संबंधित अधिकारी गणों के साथ जयपुर शहर का दौरा कर निर्देश प्रदान किए। प्रमुख शासन सचिव द्वारा जवाहर सर्किल, नंदपुरी अण्डरपास, झालाना बाईपास,ट्रांसपोर्ट नगर, दिल्ली रोड-रामगढ़ मोड़ से जलमहल, जलमहल से जोरावर सिंह गेट, सुभाष चौक, बड़ी चौपड़, जोहरी बाजार, एमआई रोड, यादगार, टोंक रोड, अशोक मार्ग, अहिंसा सर्किल, चर्च रोड, खासाकोटी, जयसिंह हाईवे, पानीपेच, चौंमू पुलिया, सीकर रोड से 14 नंबर रोड वीकेआई, 14 नंबर रोड वीकेआई से अजमेर रोड, अजमेर रोड, 200फीट बाईपास, किसान धर्मकांटा, न्यू सांगानेर रोड, शिप्रापथ, द्वारकादास पथ, महारानी फार्म से टोंक रोड सीतापुरा तक का अधिकारियों के साथ दौरा किया गया। नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर के सभी नालों एवं ड्रेनेज सिस्टम की नियमित सफाई करें, जिससे अतिवृष्टि आने पर जलभराव की समस्या नहीं हों। उन्होंने जेडीए एवं नगर निगम विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आपस में समन्वय के साथ काम कर क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत प्राथमिकता से करें। उन्होंने प्राथमिकता से पेचवर्क कर सड़क पर वर्षा से हुए गडढ़ों को भरने के निर्देश दिए। प्रमुख शासन सचिव यूडीएच ने महारानी पुलिया की ऊंचाई बढ़ाने के निर्देश दिए। इस क्रम में जेडीसी ने बताया कि महारानी फार्म पुलिया की ऊंचाई बढ़ाने हेतु 6 करोड रुपए की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की जा चुकी है। वर्षा के पश्चात उक्त कार्य प्रारंभ किया करवाया जाएगा। प्रमुख शासन सचिव यूडीएच ने दिल्ली रोड मानपुर सड़वा क्षेत्र में जल भराव की समस्या के संबंध में सिंचाई विभाग के साथ जेडीए/नगर निगम के अधिकारियों द्वारा उक्त जल भराव के स्थाई समाधान हेतु एवं वीकेआई से सीकर रोड पर सी जोन बाईपास के नीचे सड़क पर हुए गड्ढों को प्राथमिकता से भरने/पेच वर्क हेतु एनएचएआई, सिंचाई विभाग, जेडीए, नगर निगम हैरिटेज/ग्रेटर के अधिकारियों की आगामी बुधवार संयुक्त बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए।प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि अतिवृष्टि से जयपुर शहर में जलभराव वाले स्थानों पर जेडीए, नगर निगम ग्रेटर/हैरिटेज एवं राजस्थान हाउसिंग बोर्ड को त्वरित रुप से जल निकासी हेतु निर्देशित किया गया, जिससे किसी प्रकार की जनहानि की घटना घटित ना हो। प्रमुख शासन सचिव - यूडीएच ने दौरे के दौरान जलभराव की समस्या वाले क्षेत्रों में आमजन से फीडबैक भी लिया और शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों को जमीन पर उतरकर हकीकत को जानना चाहिए, जिससे समस्या की जड़ तक पहुंचा जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा ना हो, ये सुनिश्चित किया जा सके।इसके अतिरिक्त प्रमुख शासन सचिव ने नाला / नदी के प्रवाह में बसी बस्तियों / आवासों का चिन्हीकरण, नंदपुरी अंडरपास के लिए स्थायी समाधान ढूढने, खोले के हनुमान जी मंदिर में ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने, सीकर रोड पर विकसित किए जाने वाले ड्रेनेज फेज कके क्रियान्वयन में तेजी लाने और द्वितीय चरण एवं तृतीय चरण को शीघ्र शुरू करने, बीआरटीएस कॉरिडोर सहित सीकर रोड का नवीनीकरण करने, जल महल क्षेत्र का जलभराव की समस्या के समाधान के साथ विकास करने, ट्रांसपोर्ट नगर - अमृता वृक्ष उद्यान में पानी के प्रवाह के लिए फॉरेस्ट ड्रेनस हेतु पंचर/स्ट्रक्चर, ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में सड़क चौड़ाईकरण कार्य करने, मीडियन मरमतीकरण, मीडियन ग्रीन पार्ट मेंटेनेंस, सभी मुख्य सड़कों पर कर्व स्टोन की मरम्मत, ड्रेनेजेस वॉल की मरम्मत करने, करतारपुरा नाला में अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान एवं जोनवार समस्याओं के लिए सामुदायिक हॉल एवं अधिशाषी अभियंता कार्यालय स्थापित करने के निर्देश दिए।उन्होंने बताया कि नगर निगम हैरिटेज के संदीप शर्मा, अधिशासी अभियंता, मुरलीपुरा एवं रविंद्र सिंह किसनावत उपायुक्त गार्डन द्वारा राजकीय कार्यों में लापरवाही बरतने पर उक्त अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। जेडीसी ने बताया कि जयपुर शहर में जेडीए उद्यान अधीक्षक अब्दुल मजीद द्वारा मीडियन में पौधो के उचित रखरखाव में लापरवाही बरतने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय के आदेशों की पालना में जयपुर में जल निकासी की व्यवस्था को प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के लिए भविष्य को देखते हुए कार्ययोजना बनायी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह कि उक्त प्रकार की समस्याओं के स्थाई समाधान के लिए शहर का ड्रेनेज एवं सीवरेज का मास्टर प्लान तैयार किया जायेगा। जिससे दीर्घकालीन समय में जलभराव की समस्याओं से निजात मिल सकेगी।

संत कुलरिया की स्मृति में पोधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया गया सकारात्मक संदेश

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) 17अगस्त। गौसेवा-मानव सेवा के प्रेरणा स्त्रोत संत श्री दुलाराम कुलरिया की नवमी पुण्यतिथि पर आ''ान जनकल्याण एवं सेवा समिति (रजि.) की ओर से ग्रीनसिटी मिशन के अंतर्गत शनिवार को पौधा रोपण किया गया। समिति सदस्य नरेश वर्मा ने बताया कि संत की पुण्यतिथि पर बजाज नगर स्थित मौलश्री उद्यान, नेहरू उद्यान और अन्य स्थानीय उद्यानों में विभिन्न प्रकार के छायादार एवं फलदार पौधे जैसे सीताफल, कनेर, जामुन, आंवला, अमरूद, शीशम आदि का पौधारोपण किया गया। इसके अतिरिक्त पाली के घाणेराव और जोधपुर शहर में भी पौधे लगाए गए। समिति सदस्यों ने बताया कि सन्त दुलाराम कुलरिया के भामाशाहसुपुत्रोंभँवर-नरसी-पूनम कुलरिया ने बीकानेर मूलवास-सीलवा में प्रारंभ सघन पौधरोपण अभियान की तर्ज पर उक्त कार्यक्रम जयपुर में किया गया। पर्यावरण को सुरक्षित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।पौधारोपण के बाद सभी सदस्यों ने उनकी देखभाल करने की शपथ ली और भविष्य में भी समय-समय पर पौधारोपण करते रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कई लोगों ने अपने एवं अपने परिजनों के नाम से पौधारोपण किया और उनकी देखभाल करने का प्रण लिया। इस अवसर पर समिति के सचिव न×फीस, विजयराज के साथ ×फरोज़ आफरीदी, अधिवक्ता यूनुस खां, राजू और सुश्री सरयू शर्मा ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विशेष योगदान दिया।

वीर हनुमान प्राचीन दक्षिण मुखी बालाजी मंदिर में महाकाल मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा संपन्न

- **मंत्रोचारण के साथ महाकाल की मूर्ति की हुई प्राण प्रतिष्ठा**

चमकता राजस्थान

उदयपुरवाटी(सुमेर सिंह राव) 'गोल्याना रामपुरा के बीच शेखावाटी के प्राचीन तीर्थ लोहार्गल की चोबीस कोसी परिक्रमा मार्ग स्थित वीर हनुमान दक्षिण मुखी बालाजी मंदिर में लोहार्गल सिद्ध पीठ पीठाधीश्वर स्वामी अश्विनीचार्य महाराज के द्वारा महाकाल परिवार की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा करवाई गई ' विद्वान पंडितो द्वारा मंत्रोचार के साथ विधि विधान से महाकाल मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करवाई गई ' महाकाल मूर्ति का अलौकिक फूलों से श्रृंगार भी किया गया ' रामपुरा गाँव के साथ गोल्याना चिराना पकोड़ियो की ढाणी देवीपुरा बनी लोहार्गल के अलावा हजारों की तादाद में खूब लोगो ने बढ़ चढ़ के भाग लिया ' स्वामी अश्विनी आचार्य महाराज ने बताया की दूर दराज से आये हुए भगतों की प्रतिष्ठा में भोले नाथ का अभिषेक भी किया ' महिलाओं ने भी महाकाल की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया ' पहाड़ की तलती में 24 कोसिया परिक्रमा मार्ग स्थित वीर हनुमान दक्षिण मुखी बालाजी मंदिर के महंत अश्विनी आचार्य महाराज को रामपुरा गांव के लोगों ने चादर ओढ़ा कर महंत के रूप में गदी पर बैठाया ' रामपुरा स्थित दक्षिण मुखी बालाजी मंदिर में भी बालाजी का आलोकिक फूलों से श्रृंगार किया गया ' लोहार्गल वेंकटेश मंदिर के स्वामी अश्विनी आचार्य महाराज के सानिध्य में महाकाल मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हुआ ' भंडारे का भी आयोजन हुआ जिसमें दूरदराज से आए हुए श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की ' महाआरती की उस के बाद भंडारा प्रसाद भी लिया उस के बाद एका दस रुदाभिषेख भी किया '

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर एक आरोपी को किया गिरफ्तार

जयपुर के शास्त्री नगर इलाके में आपसी कहासुनी में दो पक्षों में झगड़ा : एक युवक की मौत के बाद लोग सड़कों पर उतरे

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। राजधानी जयपुर के शास्त्री नगर थाना इलाके में शुक्रवार देर स्कूटी और ई- रिक्शा की भिड़ंत के बाद दो पक्षों के बीच झगड़ा हो गया। इस झगड़े में गंभीर घायल की तबीयत बिगडने से एक युवक की मौत हो गई। इस घटना के बाद शनिवार सुबह इलाके में आक्रोश का माहौल हो गया और काफी संख्या में लोग घटना के विरोध में सड़कों पर उतर गए और शास्त्री नगर थाने का घेराव किया। इधर माहौल बिगड़ता हुआ देखकर पुलिस के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है। वहीं पुलिस प्रशासन ने भी लोगों से शांति बनाए रखने और किसी भी तरह की अफवाहों में पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। उधर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर एक आरोपित युवक की गिरफ्तारी भी हुई है। बाकी दो युवकों की तलाश जारी है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि शुक्रवार देर रात की है। जहां ई-रिक्शा सवार तीन युवक और स्कूटी सवार दी युवकों के बीच गाड़ी आगे-पीछे करने को लेकर कहासुनी हो गई थी। ई-रिक्शा पर आजाद नगर निवासी शाहरूख (23) के साथ दो अन्य युवक थे। इसी तरहस्कूटी पर दिनेश स्वामी (36)और जितेंद्र सवार थे। बात इतनी बढ़ गई कि ई-रिक्शा सवार युवकों ने स्कूटी सवार युवकों से मारपीट कर दी। मारपीट के दौरान दिनेश स्वामी (36) नीचे गिर गया, जिससे उसकी कोहनी पर चोट आई। आस-पास के लोगों ने बीच-बचाव करते हुए मामला शांत करवाया। इसके बाद दोनों पक्ष मौके से निकल गए। घर जाने के बाद दिनेश स्वामी को बेचैनी होने लगी। उसे कांवटिया हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद जितेन्द्र ने उसके परिवार और पुलिस को घटना को लेकर जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलने पर शास्त्री नगर थाना पुलिस ने अज्ञात युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू की। फिलहाल मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के हवाले कर दिया गया है। साथ पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद युवक की मौत का कारण सामने आएगा। फिलहाल मामले की गंभीरता को देखते हुए इलाके में पुलिस बल तैनात किया गया है। बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि ई रिक्शा चालकों में से तीन लोगों को आईडेंटिफाई कर लिया गया है। उनमें से एक आरोपित शाहरुख को गिरफ्तार कर लिया गया है और दो अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है।इस दौरान बीजेपी विधायक गोपाल शर्मा थाने में बैठे थे। पुलिस की सख्ती की जानकारी मिलते ही गोपाल शर्मा थाने से बाहर आए। इस दौरान पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर बजरंग सिंह शेखावत ने उन्हें रास्ते में रोकने की कोशिश की। डीसीपी राशि डोगरा से विधायक गोपाल शर्मा से नोकझोंक भी हुई।

- **डीसीपी राशि डोगरा एवं विद विधायक गोपाल में हुई नोंक-झोंक, आक्रोशित भीड़ ने थाने का किया घेराव**

डीसीपी राशि डोगरा और विधायक गोपाल शर्मा की नोकझोंक के विरोध में विधायक धरने पर बैठ गए। कुछ देर बाद पुलिस अधिकारियों ने मामला संभाला, तब जाकर विधायक गोपाल शर्मा धरने से उठे। फिलहाल पूरा इलाका छावनी में तब्दील कर दिया गया है। इस दौरान किशनपोल विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी और भाजपा के वरिष्ठ नेता चंद्र मनोहर बटवाड़ा समेत कई जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे। पुलिस के आला अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर जल्द से जल्द सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। वहीं भाजपा नेता चंद्र मनोहर बटवारा ने बताया कि बदमाश आए दिन कोई ना कोई वारदात करते रहते हैं। रात को युवक की हत्या कर दी। इस अपराध के लिए कठोर से कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। पीड़ित परिवार को जीवन व्यापन के लिए आवशयक संसाधन और मुआवजा दिलवाने का प्रयास करेंगे।

- **आक्रोशित भीड़ ने किया शास्त्री नगर थाने का घेराव**

घटना के बाद से ही इलाके में लोगों में आक्रोश का माहौल हो गया। घटना के विरोध में शनिवार सुबह काफी संख्या में लोग मृतक के परिजनों के साथ शास्त्री नगर थाने का घेराव कर धरने पर बैठ गए। बाजार बंद करवाने की कोशिश कर टायर जलाकर सड़क जाम कर दिया। कोई कार्रवाई नहीं होते देख प्रदर्शनकारियों ने थाने के पास ही सर्किल के आसपास की दुकानें बंद करानी शुरू कर दीं। इसकी भनक पुलिस को लगी। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी गए और प्रदर्शनकारियों को खदेड़ना शुरू किया।

सुअर पालन लाभ का व्यवसाय

सूअर पालन किन्हें करना चाहिए?

● छोटे एवं भूमिहीन किसान, आंशिक कार्य के तौर पर शिक्षित बेरोजगार लोगों के लिए आय का अच्छा साधन है।

● अशिक्षित महिलाओं एवं युवाओं के लिए सुअर पालन अच्छा व्यवसाय है।

प्रजातियां- वृहद श्वेत यार्कशायर, लेण्डरेस, मध्य श्वेत यार्कशायर-

प्रजनन के लिए सन्तति का चयन

सुअरों का अच्छा समूह विकसित करने के लिए निम्न विशेषताएं होनी चाहिए-

● सुअर में बच्चे पैदा करने की ताकत, जैव शक्ति एवं दूध उत्पादन की क्षमता होनी चाहिए।

● प्रत्येक किसान को सुअर का समूह पालने के पूर्व जांच करें कि सुअर विश्वसनीय और रोगमुक्त हो। इस प्रकार की जानकारी ले लेना चाहिए। एक बार सुअरों का समूह स्थापित होने के बाद, मादा एवं पर सुअरों का प्रतिस्थापन, संकरण करें।

● जब मादा सुअर को प्रजनन समूह में रखना हो तब उसका वजन करीब 90 किलोग्राम हो।

● वयस्क मादा सुअरों का चयन करते समय देखें कि उनकी माँ अधिकांश बच्चे बयाने वाली हो।

● बाजार की मांग के अनुरूप हो, कम से कम समय में अधिक वजन प्राप्त हो।

● यह वांछनीय है कि मादा सुअर से मेटिंग करे और प्रतिदिन उनका वजन बढ़ें। साथ ही दाना मांस में परिवर्तित करने की क्षमता हो।

किसी भी ब्रीडिंग फार्म के लिए नर सुअरों का चयन अत्यंत महत्वपूर्ण है। नर सुअर सदैव ब्रीडर फार्म से खरीदें जिन्हें इनके बारे सही जानकारी हो। नर सूअर सदैव ऐसे हो कि अच्छी किस्म की मादा से पैदा हुए हों, जो अत्यधिक बच्चे पैदा करती हो। दूध छोड़ने के बाद सूअर का वजन 90 किलोग्राम हो।

नर व मादा सुअरों का प्रतिस्थापन के दौरान मुख्य बिन्दुओं का ध्यान रखें–

● सुअर की मां हमेशा 8 से अधिक बच्चे पैदा करने वाली रही हो। दूध छोड़ने के समय (56 दिन) मादा सूअर का वजन 120 किलोग्राम से कम न हो। नर व मादा दोनों ही 6 माह में 90 किलोग्राम वजन प्राप्त कर लें।

● सुअर का शरीर पर्याप्त लम्बाई और गहराई वाला हो एवं कसा हुआ मांसल शरीर हो।

● सुअर का पैर व पजें मजबूत हो। सुअर का पिछला हिस्सा मांसल सुअर की वसा का मात्रा को इंगित करता है जैसे कि मादा सुअर में 4 सेमी मोटाई का पिछला हिस्सा मांसल हो, एवं नर सुअर में 3.2 सेमी पिछला हिस्सा होना चाहिए।

● मादा सुअर में 12 की संख्या में कार्यशील चुचुक हो। बंद चुचुक वाले जानवर नहीं पालने चाहिए, क्योंकि इनसे दूध नहीं निकलता है, और यह दोष अनुवांशिक भी होता है।

● चयन के दौरान ब्रसेल और लेपटोस्पयरा का टीका लगा होना चाहिए।

● सुअर सभी प्रकार की संक्रामक बीमारियों से मुक्त हो।

खाद्य आहार प्रबंधन

● सबसे सस्ते खाद्य आहार घटकों का इस्तेमाल हो।

● मक्का, ज्वार, बाजरा, गेंहू , चावल आदि का प्रयोग हो।

● प्रोटीन घटकों में आयल केक, मछली का चूना खली हो।

● सुअर सदि बाहर घास चरते हैं तो उन्हें कोई भी विटामिन घटक देने की जरुरत नहीं है, यदि उन्हें पशु प्रोटीन नहीं देते हैं, तब विटामिन बी 12 का घटक दें।

● प्रति किलो राशन में 11 मिलीग्राम एंटीबायोटिक का मिश्रण दें।

● खनिज मिश्रण का पर्याप्त मिलान हो सभी प्रकार के दानों का मिश्रण पिसा हुआ हो गीला दाना नहीं पिसाना चाहिए, सूखा दाना पिसाई करना चाहिए। गीली पिसाई में अधिक समय व श्रम लगता है। यदि दाने में फाइबर अधिक है, तो पेलेटेड दाना बनाना चाहिए। पेलेटेड दाने से आहार की बर्बादी रुक जाती है।

सुअरों का अच्छा समूह विकसित करने के लिए निम्न विशेषताएं होनी चाहिए

● सुअर के लीटर की ताकत एवं जैव शक्ति, दूध उत्पादन की क्षमता।

● लाभ, दाना परिवर्तित करने की क्षमता।

पौध नर्सरी महिलाओं की आय का स्त्रोत

पौध तैयार करने के लिए वैज्ञानिक सूझ-बूझ का ध्यान दें ताकि मेहनत, लागत, खर्च व समय की बचत हो सके।

स्थान एवं भूमि का चुनाव

➤ अच्छी नर्सरी के लिए उचित जल निकास वाली बलुई दोमट भूमि अच्छी होती है।

➤ क्यारी का चयन ऊंचे स्थान पर करें जहां पर पानी का जमाव बिल्कुल न हो। इसके साथ ही प्रत्येक वर्ष पौधशाला नई जगह पर उगायें।

➤ सूर्य के प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था हो तथा सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था हो।

➤ आवास से कम दूरी पर नहीं हो ताकि पौधशाला की देखरेख व निरीक्षण समय-समय पर हो सके।

नर्सरी में पौध तैयार करने की विधि

अ : पॉली बैग में पौध तैयार करना - इस विघि के लिए 200 गेज मोटी पालीथिन शीट के बने 20×10 सेमी आकार वाले पाली बैगों की आवश्यकता होती है। इन पालीबैगों में नीचे तथा बगल में छेद कर दें। जिससे वायु का संचार व उचित जल निकास बना रहता है। इन थैलियों में छनी हुई सड़ी गोबर की खाद तथा मोटी बालू का समानुपाती मिश्रण भरा जाता है मिश्रण भरने से पहले मिट्टी का निजर्मीकरण कर लिया जाता है। कद्दूवर्गीय (करेला, लौकी, स्कवाश, कद्दू, तरबूज आदि) बीजों का आवरण सख्त होने के कारण बोने से पहले रातभर पानी में भिगा दें। प्रत्येक बैग में आधा से एक सेमी की गहराई पर दो से तीन बीज बोकर हल्की सिंचाई कर दें मुख्यतः वर्षा ऋतु में पौध तैयार करने के लिए 3 से 5 मीटर चौड़ी तथा जमीन की सतह से 15 से 20 से.मी. ऊंची उठी हुई क्यारियों के बीच में 30 से.मी. स्थान अवश्य छोड़ें इससे वर्षा का पानी इस स्थान से होता हुआ बाहर निकल जाता है तथा क्यारी ऊंची करने के लिए मिट्टी इसी स्थान से मिल जाती है। इसके साथ-साथ खरपतवार निकालने और कीट व फफूंदनाशक दवा के प्रयोग करने में सुविधा होती है

ऊंची उठी हुई क्यारी विधि

मुख्यतः वर्षा ऋतु में पौध तैयार करने के लिए 3 से 5 मीटर चौड़ी तथा जमीन की सतह से 15 से 20 से.मी. ऊंची उठी हुई क्यारियों के बीच में 30 से.मी. स्थान अवश्य छोड़ें इससे वर्षा का पानी इस स्थान से होता हुआ बाहर निकल जाता है तथा क्यारी ऊंची करने के लिए मिट्टी इसी स्थान से मिल जाती है। पौधशाला का स्थान थोड़ा ऊंचाई व ढालू हो ताकि वहां पानी न भरे। सूर्य का प्रकाश पूरे दिन मिले। 1 वर्ग मी. में 2 किग्रा. पकी गोबर की खाद तथा भारी मिट्टी में 2-3 किग्रा. बालू मिला दें। मिट्टी में फफूंद नाशक जैसे कैप्टान 5-6 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल कर मिट्टी तर कर दें। इसी प्रकार कीटनाशक के रूप में फ्यूराडान की 5 ग्राम मात्रा प्रति वर्ग मीटर पौधशाला की क्यारी में मिलायें।

बीजोपचार – बीजों को 2 ग्राम थाइरम कैप्टान तथा 1 ग्राम बाविस्टीन प्रति किग्रा बीज की दर से उपचारित कर बोयें।

मृदा सौर्यन या आतपन द्वारा

यह निजर्मीकरण की सबसे सस्ती विधि है। इस विधि में क्यारियां बुवाई के 7.8 सप्ताह पूर्व तैयार की जाती है तथा इनको पानी से पूरी तरह तर करके नम करते हैं। इसके पश्चात 200 से 300 गेज मोटी पारदर्शी प्लास्टिक से क्यारियों को चारों तरफ भली-भांति ढककर गीली मिट्टी से दबाकर वायुरोधित कर देते हैं। इस प्लास्टिक आवरण को 7.8 सप्ताह पश्चात एवं बीज बोने से 2.3 दिन पूर्व ही हटायें। यह विधि उसी दशा मे पूर्णतया प्रभावकारी होती है। जब दिन का तापमान 35 से 40 डिग्री सैल्सियस या इससे अधिक हो तथा मौसम शुष्क एवं सूर्य चमकदार हो। पौधशाला में आर्द्रगलन बीमारी अधिक लगती है। इस बीमारी की रोकने के लिये ट्राईकोडर्मा 6-8 ग्राम 1 किग्रा बीज के लिये ओर 10-20 ग्राम 1 कि.ग्रा. कम्पोस्ट या गोबर की खाद मिलाकर एक वर्गमीटर मृदा के शोधन के लिए प्रयोग करें।

नर्सरी से उपज व आमदनी -पौध नर्सरी की 3×10 मीटर क्षेत्र में नर्सरी स्थापना (भूमि की तैयारी, समतलीकरण, क्यारियों का निर्माण, पौध संरक्षण दवायें, बीज, गोबर खाद हेतु) के प्रारम्भ में लगभग 3000 रुपये व्यय आता है जो बाद में 2000-3000 प्रति 30 वर्ग मीटर आता है जिससे 2,00,000 पौधे प्राप्त किये जा सकते है सब्जियों की पौध बिक्री 25 रू. प्रति सैकड़ा करने से 8000-10000 रुपये की आमदनी होती है।

लघुधान्य फसलों की उत्पादन तकनीक

भूमि की तैयारी

ये फसलें प्रायः हर प्रकार की भूमि में पैदा की जा सकती हैं। जहां कोई अन्य धान्य फसल उगाना संभव नहीं होता, वहां भी ये फसलें सफलतापूर्वक उगाई जा सकती हैं। उतार-चढ़ाव वाली, कम जलधारण क्षमता वाली, उथली सतह वाली आदि कमजोर किस्म की भूमि में यह फसलें अधिकतर उगाई जा रही हैं। हल्की भूमि में, जिसमें पानी का निकास अच्छा हो, इनकी खेती के लिए उपयुक्त होती हैं।

बीज का चुनाव एवं मात्रा

भूमि की किस्म के अनुसार उन्नत किस्म के बीज का चुनाव करें। हल्की पथरीली व कम उपजाऊ भूमि में जल्दी पकने वाली जातियों का तथा मध्यम गहरी व दोमट भूमि में एवं अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में देर से पकने वाली जातियों की बोनी करें। लघु धान्य फसलों की कतारों में बुवाई के लिए 8-10 किलोग्राम बीज तथा छिटकवां बोनी के लिए 12-15 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होता है।

बोने का समय, बीजोपचार एवं बोने का तरीका

वर्षा आरंभ होने के तुरंत बाद लघु धान्य फसलों की बोनी कर दें। शीघ्र बोनी करने से उपज अच्छी प्राप्त होती है। कोदों में सूखी बोनी मानसूनी वर्षा आने के दस दिन पूर्व करने पर उपज में अन्य विधियों से अधिक उपज प्राप्त होती है। बोनी के पूर्व बीज को मेंकोजेब या थायरम दवा 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से बीजोपचार करें। ऐसा करने से बीज जनित रोगों एवं कुछ हद तक मिट्टी जनित रोगों से फसल की सुरक्षा होती है। कतारें में बोनी करने पर कतार से कतार की दूरी 20-25 सेमी तथा पौधों से पौधों की दूरी 7 सेमी उपयुक्त पाई गई है। इसकी बोनी 2-3 सेमी गहराई पर करें। प्रयोगों द्वारा पाया गया है कि कोदों में 6-8 लाख एवं कुटकी में 8-9 लाख पौधे प्रति हेक्टेयर अधिकाधिक उत्पादन वृद्धि हेतु आवश्यक होता है।

खाद एवं उर्वरक का उपयोग

प्रायः किसान इन लघु धान्य फसलों में उर्वरक का उपयोग नहीं करते हैं। किन्तु कुटकी, कंगनी, सांवा के लिए 40 किलो यूरिया, 125 किलो स्फुर/ हेक्टेयर तथा कोदो एवं रागी के लिए 87 किलो यूरिया व 125 किलो स्फुर प्रति हेक्टेयर का उपयोग करने से उपज में वृद्धि होती है। उपरोक्त नत्रजन की आधी मात्रा व स्फुर की पूरी मात्रा बुवाई के समय एवं नत्रजन की शेष आधी मात्रा बुवाई के तीन से पांच सप्ताह के अंदर निंदाई के बाद दें।

निंदाई गुड़ाई

बुवाई के 20-30 दिन के अंदर एक बार हाथ से निंदाई करें तथा जहां पौधे न उगे हो वहां पर अधिक घने उगे पौधों को उखाड़कर रोपाई करके पौधों की संख्या उपयुक्त करें। यह कार्य 20-25 दिनों के अंदर कर ही लें। यह कार्य पानी गिरते समय सर्वोत्तम होता है।

उन्नत जातियां

(अ) कोदों - जवाहर कोदों 48 (डिण्डौरी-48), जवाहर कोदों - 439, जवाहर कोदों - 41, जवाहर कोदों - 62, जवाहर कोदों - 76, जीपीयूके - 3

(ब) कुटकी - जवाहर कुटकी - 1(डिण्डौरी-1), जवाहर कुटकी-8, सीओ- 2, पीआरसी - 3

(स) रागी - एचआर-374, आरएयू-8, जेएनआर-2, जेएनआर-852, जेएनआर-1008

(द) कंगनी - अर्जुना, - एसआईए-326

(ई) सांवा - व्हीएल-29, के-1

(फ) चीना - जीपीयू-17, के-1

फसल की कटाई-गहाई एवं भण्डारण

फसल पकने पर कोदों व कुटकी को जमीन की सतह के ऊपर कटाई करें। खलिहान में रखकर सुखाकर बैलों से गहाई करें। उड़ावनी करके दाना अलग करें। रागी सांवा एवं कंगनी को खलिहान में सुखाकर तथा इसके बाद लकड़ी से पीटकर अथवा पैरों से गहाई करें। दानों को धूप में सुखाकर भण्डारण करें।

संक्षिप्त खबरें

नेपाल के सोलुखुम्बु में दो हिमताल के फटने से थेबे गांव हुआ तबाह

काठमांडू। नेपाल के सोलुखुम्बु जिले के ग्राम थाबे में शुक्रवार को अचानक आई बाढ़ से पूरा गांव तबाह हो गया। हालांकि इस आपदा में किसी भी प्रकार की मानवीय क्षति की अब तक कोई खबर नहीं है। पर्यटन स्थल थेबे में एक भी घर सुरक्षित नहीं है। बाढ़ से अधिकतर घर पूरी तरह ध्वस्त हो गए हैं। संभावित खतरे के मद्देनजर गांव में रहने वाले करीब 300 लोगों को पहले ही सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। इन लोगों को पास के गांव के सामुदायिक भवन में और कुछ को विद्यालय के छात्रावास में ठहराया गया है। बाढ़ की चपेट में आने से थाबे पुलिस चौकी, होटल, लॉज, विद्यालय, स्थानीय प्रशासन कार्यालय और अन्य सभी प्रकार के सरकारी इमारतें ध्वस्त हो गई हैं। बाढ़ प्रभावित इस गांव के हालात जानने के लिए प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने रक्षामंत्री रामवीर राई को भेजा है। शुक्रवार रात को खुद प्रधानमंत्री ने सोलुखुम्बु की प्रमुख जिलाधिकारी को फोन कर स्थिति का जायजा लिया था।

खुले प्लाटों के मालिकों को नोटिस भेजकर बाउंड्री वॉल करायें : सुरेश खन्ना

लखनऊ। उप्र में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री एवं जनपद लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह को एक निर्देश देते हुए कहा कि लखनऊ में खुले पड़े प्लाटों को चिन्हित कर उनके मालिकों को नोटिस भेजकर बाउंड्री वॉल कराने को कहिये। खाली प्लाटों पर कूड़ा एवं गंदगी से बीमारियां फैलती हैं। प्लाट पर पानी लगने से मच्छर पैदा होते हैं। जिससे लोग बीमार पड़ते हैं। प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना शनिवार की सुबह शहर की सफाई व्यवस्था के निरीक्षण पर निकले थे। चार वार्डो हैदरगंज वार्ड दो, हैदरगंज तीन, कल्याण सिंह वार्ड एवं कन्हैया माधोपुर वार्ड में निरीक्षण करते हुए मंत्री सुरेश खन्ना ने हैदरगंज वार्ड की सफाई पर नाराजगी जतायी। मंत्री ने नगर आयुक्त को जोनल अधिकारी का वेतन काटने के निर्देश दिये।

नौ हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

देहरादून। अनुबंधित बसों के सुचारू रूप से संचालन के लिए उत्तराखंड परिवहन निगम के अधिकारी को रिश्वत लेना भारी पड़ गया। विजिलेंस टीम ने शनिवार को परिवहन निगम के काशीपुर डिपो के सहायक महाप्रबंधक को नौ हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। सतर्कता अधिष्ठान में शिकायत मिली थी कि तीन अनुबंधित बसों के सुचारू रूप से संचालन के लिए तीन हजार रुपये प्रति बस के हिसाब से रिश्वत की मांग की जा रही है। उक्त शिकायत पर सतर्कता अधिष्ठान सेक्टर हल्द्वानी के पुलिस उपाधीक्षक अनिल सिंह मनराल ने प्रकरण की जांच कराई और तथ्य सही पाए जाने पर नियमानुसार ट्रैप टीम का गठन किया।

रायबरेली में छात्रावासों के कायाकल्प के लिए जारी हुआ बजट, बेतर होंगी सुविधाएं : असीम

लखनऊ। समाज कल्याण विभाग की ओर से जनपद रायबरेली में संचालित राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावासों में सुविधाओं को और बेहतर किया जाएगा। इसके लिए विभाग ने 2.70 करोड़ रुपये जारी किया है। समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि जारी धनराशि से छात्रावासों की सुविधाओं को और बेहतर किया जाएगा। ताकि वहां रहने वाले विद्यार्थियों को किसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े। समाज कल्याण विभाग शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए लगातार प्रयासरत है।

पैर फिसलने से नाले में डूबा किसान

जालौन। कुठौंद थाना क्षेत्र में एक किसान जानवरों को चारा खिलाने के लिए शुक्रवार को अपने खेतों में गया था, वह शाम को लौटते वक्त नाला पार कर रहा था, तभी उसका पैर फिसल गया और वह नाले में गिर गया। नाले में डूबने से उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकला गया और उसे पंचनामा के लिए भेज दिया गया है। उल्लेखनीय है कि पूरी घटना कुठौंद थाना क्षेत्र के अतरछला गांव की है।

लखनऊ में चाकू से गोदकर बुजुर्ग की हत्या

लखनऊ। गोमती नगर विस्तार थाने से दो सौ मीटर दूरी पर शुक्रवार देर रात बुजुर्ग महावीर की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई है। मृतक के बेटे की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की तलाश में जुट गई है। मकदूमपुर निवासी महावीर यादव थाने से थोड़ी दूर पर चाय और पूड़ी सब्जी बेचते थे। बेटे अनुज के मुताबिक, उसके पिता सुबह और शाम को खाना खाने घर पर आते थे और बाकी का दिन व रात दुकान पर ही होती थी।

मेधावी विद्यार्थियों को पं. दीन दयाल उपाध्याय शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार से किया गया सम्मानित

छात्र-छात्राओं के भविष्य को संवारने के लिए सरकार कटिबद्ध है : गणेश

देहरादून। एजेंसी

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने शनिवार को राजपुर रोड स्थित राजकीय इंटर कॉलेज किशनपुर में प्रधानाचार्यों और मेधावी विद्यार्थियों को पं. दीन दयाल उपाध्याय शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार होनहार छात्र-छात्राओं के भविष्य को संवारने के लिए कटिबद्ध है। विद्यालयी शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित पं. दीनदयाल उपाध्याय शैक्षिक

उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस मौके पर मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि यह पुरस्कार शिक्षाविद व राष्ट्रभक्त, चिन्तक व लेखक पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर है जिन्हें अन्त्योदय का प्रणेता कहा जाता है। उन्होंने कहा कि हम पं. दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा को आगे बढ़ाकर देश और राज्य के होनहार छात्रों के उत्थान के लिए कृत संकल्प हैं। मंत्री जोशी ने कहा कि किसी भी देश का विकास तभी सम्भव हो सकता है जब वहां की शिक्षा अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचे। मसूरी विधानसभा का कोई भी विद्यालय संसाधन विहीन न रहे और विद्यालय में बुनियादी सुविधा उपलब्ध करवाना हमेशा प्राथमिकता में रही है। उन्होंने कहा कि राजकीय इन्टर कॉलेज किशनपुर की ओर से जो भी मांग की गई है वह पूरा करने का हमेशा प्रयास किया है। किशनपुर विद्यालय के छात्र-छात्राएं खेलों में हर वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग कर रहे हैं। यह प्रसन्नता का विषय है। उन्होंने कहा कि विद्यालय की छात्र संख्या भी 360 से बढ़कर 600 से अधिक हुई है। इसके लिए मंत्री ने शिक्षकों को बधाई भी दी। मंत्री ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का होना भी जरूरी है।

दो नाबालिगों से दुष्कर्म के आरोपित गिरफ्तार

हरिद्वार। पथरी थाना पुलिस ने दो नाबालिगों के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक आरोपित को थाना क्षेत्र से और दूसरे आरोपित को पंजाब से गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, फेरूपुर रामखेड़ा निवासी एक नाबालिग के पिता ने 10 अगस्त को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने अपनी बेटी के साथ दुष्कर्म की घटना की जानकारी दी थी। इस गंभीर मामले का संज्ञान लेते हुए एसएसपी ने आरोपित पुलिस को जल्द से जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुखबिर की सूचना पर ग्राम फेरूपुर रामखेड़ा निवासी आरोपित अमित को गिरफ्तार कर लिया। दूसरी घटना में, पथरी थाना क्षेत्र के ग्राम दिनारपुर निवासी एक अन्य पीड़िता के पिता ने 24 जून को तहरीर देकर अपनी नाबालिग बेटी के अपहरण के संबंध में मुकदमा दर्ज कराया था।

पार्वती नदी में समाई गाड़ी, चालक की तलाश जारी

कुल्लू। भुंतर - मणिकर्ण सड़क मार्ग पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति पार्वती नदी में बह गया है। जिसकी तलाश शुक्रवार को अंधेरा होने के कारण नहीं हो पाई थी। घटना शुक्रवार की है जब छरोड़नाला के समीप चीलमौड़ में एक गाड़ी पार्वती नदी में गिर गई थी। गाड़ी के गिरते ही स्थानीय लोग मौका पर पहुंच गए और गाड़ी को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया गया लेकिन पानी का बहाव इतना अधिक था कि गाड़ी पार्वती नदी के तेज बहाव में बह गई। गाड़ी में कितने लोग सवार थे इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिल रही थी। वहीं पानी में बह जाने वाले चालक की तलाश शुरू कर दी गई थी। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कार्तिकेयन ने बताया कि जांच से पता चला कि गाड़ी जाफर अली पुत्र हसनदीन गांव व डाकघर जिया तहसील भुन्तर जिला कुल्लू चला रहा था। अंधेरा होने के कारण कल सर्च अभियान को स्थगित करना पड़ा।

अपरधियों को बचा रही पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार : भाजपा

शिमला। एजेंसी

भाजपा की हिमाचल प्रदेश इकाई ने पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार पर अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने शनिवार को एक बयान में कहा कि कोलकाता के अस्पताल में महिला पीजी डॉक्टर के साथ बलात्कार और निमार्मतापूर्ण हत्या की घटना से पूरा देश शर्मसार हुआ है और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार प्रदेश में बेटियों को बचाने के बजाय अपरधियों को बचाने में लगी हुई है। राजीव बिंदल ने यह भी कहा कि राहुल गाँधी, कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता ममता बनर्जी सरकार में महिलाओं पर निरंतर हो रहे बर्बरतापूर्ण दुराचार पर चुप्पी साधे हुए है। वहीं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व सांसद सुरेश कश्यप ने कहा कि ममता बनर्जी को यह मामला सीबीआई को सौंपने में मात्र 70 सेकंड लगते और वह

ऐसा करने के लिए 7 दिन का समय मांग रहीं थी। यह उनकी हताशा को दशार्ता है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस जिस तरह का असंवेदनशील व्यवहार दिखा रही है, वैसा ही व्यवहार उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी भी दिखा रही है।

कन्नौज से लेकर कोलकाता तक नफरत, महिलाओं के प्रति हीन भावना और अपराधियों को संरक्षण देने की खतरनाक मानसिकता देखने को मिल रही है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक सतपाल सत्ती ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी और टीएमसी के शासन में बंगाल महिलाओं के लिए नर्क से भी बदतर बन चुका है। कोलकाता की 'निर्भया' के बाद बर्दवान में भी आधी रात को एक खेत में युवती का खून से लथपथ शव मिला, जिसका गला कटा हुआ था। इसी तरह शक्तिगढ़ में एक दिव्यांग लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना घटी।

बांग्लादेश में यूनुस ने चार और सलाहकारों को किया शामिल

ढाका। एजेंसी

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का शुक्रवार को विस्तार किया गया और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली टीम में चार और सलाहकार शामिल किये गये। नए सलाहकारों में अर्थशास्त्री वहीदुद्दीन महमूद, पूर्व कैबिनेट सचिव अली इमाम मजूमदार, पूर्व ऊर्जा सचिव मोहम्मद फौजुल कबीर खान और लेफ्टिनेंट जनरल जहांगीर आलम चौधरी शामिल हैं। इन चार सदस्यों के शामिल होने के साथ ही अंतरिम सरकार की सलाहकार परिषद में सदस्यों की संख्या बढ़कर 21 हो गई। यूनुस और 13 अन्य सलाहकारों को आठ अगस्त को शपथ दिलाई गई थी। दो सलाहकारों को 11 अगस्त को तथा एक को इसके एक दिन बाद शपथ दिलाई गई थी। सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ विद्यार्थियों के व्यापक प्रदर्शन के बाद शेख हसीना (76) को इस्तीफा देना

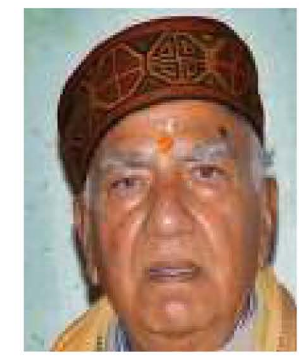

पड़ा था और पांच अगस्त को वह देश छोड़कर भारत चली गयी थीं।

राष्ट्रपति भवन के प्रवक्ता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने सरकार के मुख्यालय बंगभवन में चार नये सलाहकारों को शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि सलाहकार परिषद और संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी में एक सादे समारोह में उन्हें शपथ दिलाई गई। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि यूनुस बाद में उनके विभागों का आवंटन करेंगे।

कोलकाता कांड के विरोध में सभी अस्पतालों में डॉक्टरों ने रखी हड़ताल

फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर आरोपितों को जल्द मिले सजा: आईएमए

यमुनानगर। एजेंसी

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के आह्वान पर यमुनानगर-जगाधरी के सभी निजी एवं सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर्स अपनी सभी सेवाएं बंद रखी हैं। डॉक्टरों की यह हड़ताल कोलकाता में एक रेजिडेंट डॉक्टर के साथ दुष्कर्म, हत्या के बाद अराजकतत्वों की मेडिकल कॉलेज में तोड़फोड़ के विरोध में रखी है। शनिवार को जिमखाना क्लब में पत्रकार वार्ता के दौरान इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के मानद सचिव डॉक्टर एवीएस रवि ने बताया कि कोलकाता की घटना की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। आज सारा देश दिवंगत महिला डॉक्टर के परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने बताया कि आईएमए यमुनानगर- जगाधरी ने दो दिन पूर्व कैंडल मार्च निकालकर दिवंगत महिला डॉक्टर को अपनी श्रद्धांजलि दी

थी और सरकार से मांग की थी कि हत्यारों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। उन्होंने बताया कि यमुनानगर-जगाधरी के सभी निजी एवं सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर्स अपनी सभी सेवाएं बंद रखेंगे, परंतु इमरजेंसी एवं अस्पतालों में भर्ती मरीजों का इलाज पहले की तरह सुचारू रूप से चलता रहेगा।

उन्होंने कहा कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन केन्द्र सरकार एवं पश्चिम बंगाल सरकार से मांग करती है कि फास्ट ट्रैक कोर्ट में इस केस की सुनवाई और जल्द से जल्द अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। साथ ही दो दिन पूर्व आरजीकार मेडिकल कॉलेज में तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्रवाई हो। आईएमए यह भी मांग करती है कि सरकार मेडिकल कॉलेज, निजी एवं सरकारी अस्पतालों में कार्य करने वाले डॉक्टरों, नर्सों एवं अन्य मेडिकल स्टाफ की सुरक्षा सुनिश्चित करें तथा जल्द से जल्द एक केंद्रीय कानून बनाया जाए।

युवा कांग्रेस के माध्यम से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचाएंगे मदद : मितेन्द्र

भोपाल। एजेंसी

अगस्त मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेन्द्र दर्शन सिंह ने शनिवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय स्तरीय #SOSIYC अभियान के तहत बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों को मदद पहुंचाएंगी मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस प्रदेश भर में युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकताओं के माध्यम से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मदद पहुंचाने का कार्य करेंगी ।

इस दौरान युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मितेन्द्र दर्शन सिंह ने युवा कांग्रेस के प्रदेश पदाधिकारीयों और कार्यकर्ताओं से अपील की है कि इस अभियान से अधिक से अधिक संख्या में जोड़कर बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद करें, जिससे इस आपदा की घड़ी में बाढ़ प्रभावित लोगों को एक आर्थिक संबल मिल सके।

मप्र युवा कांग्रेस मीडिया विभाग के चैयरमेन अभिज्ञान शुक्ला ने बताया कि मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस #रडरकउ अभियान का पोस्टर लांच कर रही है जिसमें क्यूआर कोड के माध्यम से मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के पदाधिकारी,कार्यकर्ता और आम नागरिक जो बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद करना चाहते हैं वो इस अभियान से जुड़ सकते हैं।

शान्ता कुमार कुमार की मांग, रेप पर मिले कडी सजा

शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री शान्ता कुमार ने कहा है कि रेप के मामलों पर जल्द न्याय कर आरोपियों को कडी सजा मिलनी चाहिए। शान्ता कुमार ने देश के प्रमुख नेताओं से मांग की कि अब इस गंभीर होते शर्मनाक अपराध को रोकने के लिए अत्यन्त सख्त कानून की आवष्यकता है। उन्होंने चार मांगें की है। पहली कि बलात्कार और महिलाओं से होने वाले इस प्रकार के अपराधों के लिए अलग अदालतें बनाई जाएं । दूसरी कि अपराध का निर्णय 6 महीने के अन्दर अन्दर कर दिया जाए। तीसरी यह कि बलात्कार के अपराध के लिए केवल मृत्यु दण्ड की सजा तय हो और चौथी कि मृत्यु दण्ड देने की घटनाओं को सार्वजनिक रूप से टी0वी0 में दिखाया जाए। उन्होंने देश को सावधान करते हुए कहा है कि अब केवल धरने करने से इस शर्मनाक समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होने कहा कि कलकता में एक डाक्टर के साथ बलात्कार और पशुता की सारी सीमाएं लांघ कर किये गये हत्याचार से पूरे देश का दिल दहल गया है।

आत्मनिर्भर बुंदेलखंड के 21 गांवों में किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की शुरू हुई बड़ी पहल

सागौन से बुंदेलखंड में हजारों किसानों की बदलेगी तकदीर

- बुंदेलखंड क्षेत्र में हर साल दैवीय आपदाओं से किसानों को बड़ा नुकसान होता है

हमीरपुर। एजेंसी

बुंदेलखंड की जमीं पर अब सागौन से हजारों किसानों की तकदीर चमकेगी। एक बार लागत लगाने के बाद किसानों को कुछ साल में ही लाखों रुपये की कमाई होगी। समूचे क्षेत्र के इक्कीस गांवों में ग्यारह सौ से अधिक किसानों ने हजारों की संख्या में फालतू जमीन पर सागौन के पौधे लगाए थे जो अब लगातार ग्रोथ कर रहे हैं। सागौन से किसान आत्मनिर्भर तो बनेंगे ही साथ ही क्षेत्र का पर्यावरण भी संरक्षित होगा।

बुंदेलखंड क्षेत्र में हर साल दैवीय आपदाओं से किसानों को बड़ा नुकसान होता है।

खरीफ और रबी की फसलों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि का कहर बरपने से यहां के किसान बदहाली का जीवन जीने को मजबूर है। कभी सूखा पड़ने से खेतीबाड़ी करने वाले किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर जाता है तो सिंचाई और अन्य समस्याओं के कारण बुंदेलखंड के तमाम इलाकों में खेत पर बिन बोई के ही खाली रह जाते हैं। ऐसे में किसानों के सामने भुखमरी का संकट पैदा हो जाता है। हमीरपुर जिले में पिछले दो दशकों से खेतीबाड़ी करने वाले किसानों और गरीबों के लिए धरातल पर काम करने वाली समर्थ फाउन्डेंशन एनजीओ के सचिव देवेन्द्र गांधी की पहल पर बुंदेलखंड में किसानों ने कुछ साल पहले सागौन पर दांव लगाया था। एनजीओ के सचिव ने बताया कि एक्रीसेट हैदराबाद के मुख्य वैज्ञानिक रमेश सिंह ने किसानों का जीवन बदलने के लिए उन्हें सागौन के पौधे लगाने की सलाह दी थी जिसे लेकर हजारों किसानों ने फालतू जमीन पर सागौन के पौधे रोपित किए। अब सागौन के पेड़ लगातार ग्रोथ कर रहे हैं।

एक्रीसेट एनजीओ की मदद से समूचे क्षेत्र में किसानों ने लगाए है सागौन के पेड़

समर्थ फाउन्डेंशन एनजीओ के सचिव देवेन्द्र गांधी ने बताया कि जालौन में 200 किसानों ने 11 हजार सागौन के पेड़ लगाये है वहीं ललितपुर में डेढ़ सौ किसानों ने 9 हजार, झांसी में 300 किसानों ने 12 हजार, बांदा में 250 किसानों ने 7 हजार, महोबा में 250 किसानों ने 13 हजार, चित्रकूट में 150 किसानों ने 17 हजार व हमीरपुर में 32 किसानों ने 5 हजार सागौन के पेड़ लगाये है। बताया कि संस्था की ओर से किसानों को मुफ्त पेड़ दिये गये है। खेतों में भी मेड़बंधी के कार्य भी संस्था की तरफ से कराये गये है।

बुंदेलखंड के इक्कीस गांवों में लगाए गए सागौन के पेड़ काफी बड़े भी हो गए हैं।

लेकिन इनसे कमाई आने वाले कुछ सालों में होगी। एनजीओ के सचिव का कहना है कि पिछले क्षेत्र में लगाए गए सागौन के पेड़ों से सात आठ साल बाद किसान लाखों रुपये की हर साल कमाई भी करेंगे। समर्थ फाउन्डेंशन एनजीओ के सचिव देवेन्द्र गांधी ने बताया कि बुन्देलखंड के सभी सातों जनपदों के 21 गांवों में किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिये किसान मित्र कार्यक्रम चलाये जा रहे है। जिसमें खेतों में मेड़बंधी, बागवानी और सागौन के पेड़ लगाये जा रहे है।

गुरुग्राम के एंबियंस मॉल में बम की धमकी, पुलिस ने मॉल को खंगाला

गुरुग्राम। एजेंसी

शनिवार की सुबह 09:27 बजे गुरुग्राम के एंबियंस मॉल में बम रखा होने की धमकी भरा ईमेल मिला। जैसे ही यह सूचना मॉल स्टाफ व अन्य लोगों को मिली तो हडकंप मच गया। सुबह के समय लोगों की भीड़ कम थी। ऐहतियात के तौर पर जो भी लोग मॉल में थे, उन्हें तुरंत बाहर निकाल दिया गया। इसके बाद पुलिस ने मॉल में चप्पे-चप्पे पर तलाश ली।

जांच पूरी होने के बाद पुलिस की ओर से कहा गया कि ऐसी कोई वस्तु उन्हें मॉल में नहीं मिली। इससे साफ है कि यह मेल सिर्फ अफवाह फैलाकर माहोल खराब करने के लिए की गई थी। एंबियंस मॉल में बम होने की सूचना मिलते ही पुलिस अधिक दल-बल सहित मौके पर पहुंचे। बम निरोधक दस्ते की टीमें भी मॉल में पहुंची। मॉल की बिल्डिंग को खाली करवा लिया गया।

पुलिस के मुताबिक एंबियंस मॉल प्रबंधन को बम विस्फोट की धमकी ईमेल के जरिये सुबह 9:27 बजे मिली थी। यह मेल नोएडा के मॉल ऑफ इंडिया व पुणे समेत कई अन्य पतों पर भेजा गया था। मेल में लिखा है कि- मैंने बिल्डिंग में बम लगाए हैं। बिल्डिंग के अंदर मौजूद हर व्यक्ति मारा जाएगा, आप में से कोई भी बच नहीं पाएगा। आप मौत के लायक हैं। मैंने बिल्डिंग में बम इसलिए लगाए, क्योंकि मुझे अपनी जिंदगी से नफरत है।

न्यूजीलैंड के केंद्रीय अनुबंध को ठुकराने के बाद पर्थ स्कॉर्चर्स में शामिल होंगे फिन एलन

नई दिल्ली। एजेंसी

न्यूजीलैंड के राष्ट्रीय अनुबंध को ठुकराने के बाद, स्टार कीवी खिलाड़ी फिन एलन दो साल के सौदे पर पर्थ स्कॉर्चर्स से जुड़ेंगे। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, स्कॉर्चर्स आने वाले दिनों में एलन के क्लब में जाने की पुष्टि करेगा। एलन ने हमेशा टी20 प्रारूप में शानदार प्रदर्शन किया है। उनका स्ट्राइक रेट 168.60 है, जो वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल के बाद सबसे छोटे क्रिकेट प्रारूप में कम से कम 3000 रन बनाने वाले किसी भी बल्लेबाज के लिए दूसरा सबसे
अधिक है। टी20आई में, कीवी सलामी बल्लेबाज ने दो शतक बनाए और 2022 टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ एक बड़ा प्रभाव डाला। हालांकि, एलन का टी20 विश्व कप 2024 निराशाजनक रहा, जब उन्होंने कीवी टीम के लिए चार पारियां खेलने के बाद केवल 35 रन बनाए। इससे पहले गुरुवार को डेवोन कॉनवे और फिन एलन ने न्यूजीलैंड के केंद्रीय अनुबंधों को ठुकरा दिया था। हालांकि, कॉनवे ने केन विलियमसन की तरह 'कैजुअल एग्रीमेंट' पर हस्ताक्षर किए हैं और श्रीलंका के व्हाइट-बॉल मैचों को छोड़कर अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए खुद को उपलब्ध रखा है। वह एसए20 में भाग लेंगे।

कॉनवे और एलन दोनों को पिछले महीने अनुबंध सूची में शामिल किया गया था और अब उन्हें बदल दिया जाएगा। कॉनवे ने इस प्रक्रिया के दौरान उनके समर्थन के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय अनुबंध से बाहर निकलना कोई आसान निर्णय नहीं था।

लीमा में होने वाली विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में उतारेगा भारत

● 27-31 अगस्त के बीच एस्टाडियो एटलेटिको डे ला विडेना में होगा

नई दिल्ली। एजेंसी

इस महीने के अंत में लीमा में आयोजित होने वाली आगामी अंडर-20 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 के लिए प्रवेश सूची जारी कर दी गई है, जिसमें 134 टीमों के 1700 से अधिक एथलीट भाग लेंगे। भारत में विभिन्न खेलों में 42 एथलीट भाग लेंगे। यह आयोजन 27-31 अगस्त के बीच एस्टाडियो एटलेटिको डे ला विडेना में होगा। कोलंबिया में 2022 के संस्करण में, भारत तीन पदक (2 रजत और 1 कांस्य) के साथ संयुक्त 25वें स्थान पर रहा था।

प्रतियोगिता में भाग ले रहे खिलाड़ियों की सूची-

पुरुष वर्ग : हिमांशु, सचिन - 10,000 मीटर रेस वॉक; कार्तिक राजा अरुमुगम, मुराद कालूभाई सिरमन - 400 मीटर बाधा दौड़, अंकुल, रिहान चौधरी, बापी हांसदा, अबीराम प्रमोद, जय कुमार, - 4x400 मीटर रिले, बापी हांसदा, जय कुमार - 400 मीटर, सिद्धार्थ चौधरी, अनुराग सिंह कलेर - गोला फेंक, मृत्युम जयराम दोंदापति - 100 मीटर, हरिहरन कथिरवन, नयन प्रदीप सारदे - 110 मीटर बाधा दौड़, साहिल खान - 800 मीटर, सारुक खान, रणवीर अजय सिंह - 3000 मीटर स्टीपलचेज, देव कुमार मीना - पोल वॉल्ट; प्रतीक - हैमर थ्रो, रितिक - डिस्कस थ्रो, मो. अट्टा साजिद - लंबी कूद, दीपांशु शर्मा, रोहन यादव - भाला फेंक

महिला वर्ग : आरती - 10,000 मीटर रेस वॉक; रूजुला अमोल भोंसले, नियोले अन्ना कॉर्नेलियो, सुदीक्षा वल्दुरी, अबिनया राजराजन, सिया अभिजीत सावंत - 4x100 मीटर रिले, नीरू पहतक, उन्नति अयप्पा बोलैंड - 200 मीटर, नीरू पहतक, अनुष्का कुंभार - 400 मीटर, तमन्ना - गोला फेंक, अबिनया राजराजन- 100 मीटर, उन्नति अयप्पा बोलैंड - 100 मीटर बाधा दौड़, श्रेयस राजेश - 400 मीटर बाधा दौड़, एकता डे - 3000 मीटर स्टीपलचेज, अमानत कंबोज, निकिता कुमारी - डिस्कस थ्रो, पावना नागराज - लंबी कूद, पूजा - ऊंची कूद, लक्सिता विनोद सैंडिलिया - 800 मीटर, लक्सिता विनोद सैंडिलिया - 1500 मीटर, नीरू पहतक, कनिस्ता तेन्ना मारिया देवा शेकर, सैंड्रामोल साबू, श्रावणी सचिन सांगले, अनुष्का कुंभार - 4400 मीटर रिले।
मिश्रित रिले 4x400 मीटर टीम - नीरू पहतक, श्रावणी सचिन सांगले, सैंड्रामोल साबू, रिहान चौधरी, बापी हांसदा, जय कुमार।

पीकेएल 2024 नीलामी के बाद टीमें तैयार

नई दिल्ली। एजेंसी

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 के लिए नीलामी शुक्रवार को समाप्त हो गया। मुम्बई में हुए दो दिवसीय ऑक?शन में 500 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। ऑक?शन के दौरान खिलाड़ियों पर जमकर पैसे बरसे हैं। सचिन तंवर 2.15 करोड़ रुपये के साथ पीकेएल 2024 के सबसे महंगे खिलाड़ी बने। उन्हें तमिल थलाइवाज ने खरीदा है। ईरानी ऑलराउंडर मोहम्मदरेजा शादलोई चियानेह प्रो कबड्डी लीग प्लेयर ऑक्शन में सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बने। उन्हें हरियाणा स्टीलर्स ने 2.07 करोड़ रुपये में खरीदा। पीकेएल के 11वें सीजन के लिए सभी टीमों ने तीन कैटेगरी में कुल 88 खिलाड़ियों को रिटेन किया था। एलीट रिटेन्ड प्लेयर्स कैटेगरी में 22, रिटेन्ड यंग प्लेयर्स श्रेणी में 26 और एक्साइटिंग न्यू यंग प्लेयर्स कैटेगरी में 40 प्लेयर रिटेन किए गए हैं।

पांच सबसे महंगे खिलाड़ी

2.07 करोड़ - मोहम्मदरेजा शादलोई चियानेह, ईरान (हरियाणा स्टीलर्स)
1.97 करोड़ - गुमान सिंह (गुजरात जायंट्स)
1.725 करोड़ - पवन कुमार सहरावत (तेलुगु टाइटंस)
1.30 करोड़ - भारत हुडा (यूपी योद्धा)

संक्षिप्त खबरें

डूरंड कप 2024 : मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच ग्रुप चरण मैच रद्द

नई दिल्ली। रविवार को कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में ईस्ट बंगाल और मोहन बागान सुपर जायंट के बीच होने वाला डूरंड कप ग्रुप चरण का मैच संभावित सुरक्षा कारणों से रद्द कर दिया गया है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के बाद शहर में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच, शहर की पुलिस ने कथित तौर पर सुरक्षा प्रदान करना एक बड़ी चुनौती बताया है। मोहन बागान पहले ही टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुका है, लेकिन इस रद्द मैच से मिला एक अंक ईस्ट बंगाल को मुश्किल में डाल सकता है।

कमर की चोट के कारण बाहर हुए महमूदुल हसन

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले बांग्लादेश को करारा झटका लगा है क्योंकि उसके नियमित सलामी बल्लेबाज महमूदुल हसन कमर की चोट के कारण बाहर हो गए हैं। बीसीबी ने अभी तक महमूदुल के लिए किसी प्रतिस्थापन की घोषणा नहीं की है। बीसीबी के मुख्य चिकित्सक देबाशीष चौधरी ने शनिवार को क्रिकबज से पुष्टि करते हुए कहा, हमें महमूदुल के बारे में एक मेल मिला है, जिसमें कहा गया है कि उनके दाहिने कमर में चोट लगी है और इसके परिणामस्वरूप उन्हें तीन सप्ताह के लिए आराम दिया जा रहा है।

मैं नदीम का रिकॉर्ड तोड़ सकता था, लेकिन शरीर ने इसकी अनुमति नहीं दी : नीरज

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह पाकिस्तान के अरशद नदीम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा को लेकर पूरी तरह सकारात्मक थे और उनका मानना था कि वह स्वर्ण पदक विजेता का ओलंपिक रिकॉर्ड तोड़ सकते थे, लेकिन उनके शरीर ने इसकी अनुमति नहीं दी। चोपड़ा ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक में अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखने से चूक गए, उन्होंने 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक हासिल किया। एक वर्चुअल प्रेस ब्रीफिंग में नीरज ने कहा नदीम बहुत मेहनती खिलाड़ी है और उसके खिलाफ प्रतिस्पर्धा हमेशा सकारात्मकता से भरी होती है और उस दिन भी मुझे पूरा यकीन था कि हमारा मुकाबला अच्छा होगा।

पहलवान विनेश फोगाट ने बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक के साथ दिल्ली में किया रोड शो

नई दिल्ली। पहलवान विनेश फोगट ने पेरिस ओलंपिक से लौटने के बाद शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में रोड शो किया। रोड शो में बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक और कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी मौजूद थे। साक्षी मलिक ने कहा, ्रविनेश ने देश के लिए जो किया है, वह बहुत कम लोग कर पाते हैं। उन्हें और अधिक सम्मान और सराहना मिलनी चाहिए। इस बीच, बजरंग पुनिया ने कहादेशवासी उन्हें जबरदस्त प्यार दे रहे हैं, आप देख सकते हैं कि देश ने उनका कैसे स्वागत किया। इससे पहले शनिवार को पहलवान विनेश फोगट दिल्ली के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचीं, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। पेरिस से लौटने पर विनेश ने कहा मैं सभी देशवासियों का शुक्रिया अदा करती हूं, मैं बहुत भाग्यशाली हूं। पेरिस ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली वह पहली भारतीय महिला पहलवान बनीं। हरियाणा में जन्मी यह पहलवान एयरपोर्ट के बाहर निकलने के बाद भावुक हो गई और फूट-फूट कर रोने लगी। हालांकि, 50 किलोग्राम के स्वर्ण पदक मुकाबले में विनेश को अयोग्य घोषित कर दिया गया, क्योंकि उनका वजन 100 ग्राम अधिक पाया गया। बुधवार को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट ने संयुक्त रजत पदक दिए जाने की उनकी याचिका खारिज कर दी। अयोग्य घोषित किए जाने के एक दिन बाद 8 अगस्त को उन्होंने कुश्ती से संन्यास की घोषणा कर दी। 29 वर्षीय विनेश का स्वागत करने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट पर भारी भीड़ उमड़ी। राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने पर प्रशंसकों ने उन पर फूलों की वर्षा की।

स्वदेश लौटीं फोगाट, एयरपोर्ट पर हुआ स्वागत

● बजरंग, साक्षी सहित कई दिग्गजों ने की अगवानी

नई दिल्ली। एजेंसी

पेरिस ओलंपिक में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद विनेश फोगाट शनिवार को स्वदेश लौट आईं। दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचते ही विनेश को रोते हुए देखा गया। पेरिस ओलंपिक 2024 में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद एयरपोर्ट पर उनका ऐतिहासिक स्वागत किया गया। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा, साक्षी मलिक, बजरंग पुनिया और अन्य सहित कई उल्लेखनीय लोग , विनेश के स्वागत के लिए हवाई अड्डे पर मौजूद थे।

प्रशंसकों ने नाचते हुए 29 वर्षीय शीर्ष पहलवान का स्वागत किया। इससे पहले सुबह, फोगट के परिवार, दोस्त, रिश्तेदार और प्रशंसक उनका स्वागत करने के लिए दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे के बाहर बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। हवाईअड्डे पर पहुंचते ही भावुक विनेश फोगाट ने देश के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा मैं सभी देशवासियों को धन्यवाद देती हूं। मैं बहुत भाग्यशाली हूं। उनकी वापसी से हरियाणा में उनके पैतृक गांव बलाली में जश्न का माहौल है, जहां उनके भव्य स्वागत की तैयारियां जोरों पर हैं।

पेरिस ओलंपिक में विनेश फोगाट के प्रभावशाली प्रदर्शन ने उन्हें प्रशंसकों का पसंदीदा बना दिया है, भले ही संयुक्त रजत पदक के लिए कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (सीएएस) में उनकी अपील इस सप्ताह की शुरूआत में खारिज कर दी गई थी, जिसके कारण उन्हें पेरिस में लंबे समय तक रहना पड़ा। बलाली में इस अवसर पर कुल 750 किलोग्राम बूंदी के लड्डू तैयार किए गए हैं। ग्रामीणों द्वारा 'गोल्डन लड्डू' करार दिया गया यह लड्डू, विनेश के लिए महसूस किए गए गर्व का प्रतीक है। विनेश की घर वापसी सिर्फ वापसी नहीं है बल्कि पूरे गांव के लिए गर्व का क्षण है जो भारत के लोगों के मन में अपने ओलंपिक नायक के प्रति गहरी प्रशंसा और प्यार को दशार्ता है

जर्मन कप फुटबॉल: पहले दौर में बायर्न म्यूनिख ने उल्म को 4-0 से हराया

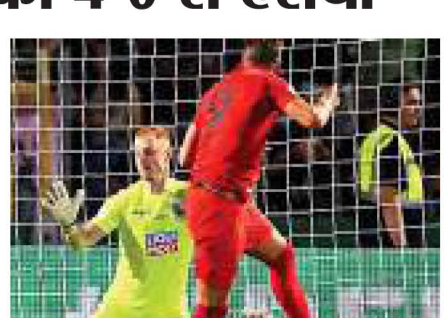

बर्लिन। एजेंसी

थॉमस मुलर के दो गोलों की बदौलत शुक्रवार देर रात जर्मन कप के पहले दौर में बायर्न म्यूनिख ने निचली लीग की टीम उल्म पर 4-0 से जीत हासिल की। उल्म ने जर्मन दिग्गजों के खिलाफ एक उद्देश्य के साथ खेला और पहले पांच मिनट के भीतर ही गोल करने के करीब पहुंच गया। बायर्न द्वारा बॉक्स में फ्री किक को क्लियर करने में विफल रहने के बाद मौरिस क्रैटनमेकर के पास खेल का सबसे अच्छा मौका था, लेकिन उनका शॉट वाइड चला गया। जर्मनी ने 12वें मिनट में खाता खोला, जब जोशुआ किमिच ने मुलर को सटीक पास दिया, जिन्होंने बिना किसी गलती के आठ मीटर की दूरी से पहला गोल दाग दिया। मुलर ने दो मिनट बाद ही दूसरा गोल कर जर्मनी की बढ़त 2-0 कर दी। मध्यांतर तक जर्मनी की टीम 2-0 से आगे रही। मध्यांतर के बाद किंग्सली कोमन (79वें मिनट) और हैरी केन (90+3) ने गोल कर जर्मनी को 4-0 से जीत दिला दी।

पुरुष क्रिकेट विश्व कप एशिया क्वालीफायर 2025 की मेजबानी करेगा नेपाल

नई दिल्ली। एजेंसी

नेपाल 12 से 21 अप्रैल, 2025 तक काठमांडू में आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप एशिया क्वालीफायर 2025 की मेजबानी करेगा। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल (सीएएन) ने उक्त पुष्टि की। इस डिवीजन 1 इवेंट का विजेता आईसीसी पुरुष अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफिकेशन हासिल करेगा। सीएएन ने अपने अकाउंट में यह भी जोड़ा कि मेजबान नेपाल के अलावा, अफगानिस्तान, ओमान, हांगकांग, सिंगापुर और यूएई एशियाई क्षेत्र के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। ओमान और हांगकांग ने डिवीजन 2 टूर्नामेंट से फाइनलिस्ट होने के कारण इस इवेंट के लिए क्वालीफाई किया। नेपाल ने इस साल दक्षिण अफ्रीका में आयोजित 2024 आईसीसी पुरुष अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में भाग लिया, जहाँ उन्होंने ईस्ट लंदन के बफेलो पार्क में अफगानिस्तान के खिलाफ एक विकेट की रोमांचक जीत दर्ज करके सुपर सिक्स चरण के लिए क्वालीफाई किया। पुरुषों का अंडर-19 विश्व कप 2026 जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित किया जाएगा, जहां 16 टीमें टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिनमें से पांच क्षेत्रीय क्वालीफायर से आएंगी।

वाणिज्य

भारत ने पोलैंड को अंजीर के रस की पहली खेप निर्यात की

● एपीडा ने पोलैंड को अंजीर के जूस की पहली खेप भेजी

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत ने जीआई-टैग पुरंदर अंजीर से बने पहले रेडी-टू-ड्रिंक अंजीर जूस पोलैंड को निर्यात किया है। यह कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के सहयोग से भेजा गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि भारत से कृषि उत्पादों के शिपमेंट को बढ़ाने की अपनी पहल के तहत पोलैंड को अंजीर के रस की पहली खेप निर्यात की गई है।

एपीडा ने पहले रेडी-टू-ड्रिंक अंजीर जूस के निर्यात की सुविधा प्रदान की है, जिसे जीआई-टैग वाले पुरंदर अंजीर से बनाया गया है। मंत्रालय ने बताया कि ये शिपमेंट वैश्विक बाजारों में भारतीय कृषि उत्पादों की क्षमता को दशार्ता है। उल्लेखनीय है कि जीआई (भौगोलिक संकेत) टैग उस वस्तु को कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है, दूसरों द्वारा अनधिकृत उपयोग को रोकता है, और उत्पाद के निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करता है।

कच्चा तेल 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

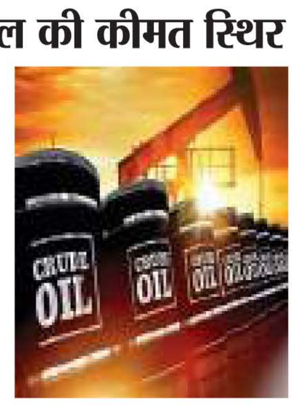

नई दिल्ली। एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का भाव फिसल कर 80 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 77 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (पीएसयू) ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक राजधानी नई दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं, कोलकाता में पेट्रोल का भाव 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के अंतिम दिन के कारोबार में ब्रेंड क्रूड 1.36 डॉलर यानी 1.68 फीसदी की गिरावट के साथ 89.68 डॉलर प्रति बैरल पर है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 1.51 डॉलर यानी 1.93 फीसदी लुढ़क कर 76.65 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर है।

गीता गोपीनाथ ने की सीतारमण से भेंट

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने शनिवार को यहां नार्थ ब्लाक में मुलाकात की। इस दौरान सुश्री गोपीनाथ ने भारत सरकार द्वारा अपनाए गए राजकोषीय समेकन को जारी रखने के लिए वित्त मंत्री को बधाई दी। भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवंतता को स्वीकार करने के अलावा सुश्री गोपीनाथ ने आईएमएफ के साथ भारत के संबंधों की मजबूती की सराहना की। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत आईएमएफ के साथ अपने संबंधों और निरंतर जुड़ाव को बहुत महत्व देता है और भविष्य को देखते हुए भारत सरकार उसके साथ सहयोग को बढ़ाने के लिए और अधिक तरीके तलाशने को तैयार है।

कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स घटकर 2,100 रुपये प्रति टन हुआ

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच घरेलू कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) में कटौती की है। सरकार ने विंडफॉल टैक्स को 4,600 रुपये प्रति टन से घटाकर 2,100 रुपये प्रति टन कर दिया है। हालांकि, पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर लगने वाले दर को शून्य पर बरकरार रखा है। नई दरें शनिवार से लागू हो गईं है।

सरकार की ओर से जारी की गई अधिसूचना के मुताबिक घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स को 4,600 रुपये प्रति टन से घटाकर 2,100 रुपये प्रति टन कर दिया गया है। हालांकि, पेट्रोल, डीजल और एटीएफ पर लगने वाला अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) को शून्य पर यथावत रखा गया है। इससे पहले 1 अगस्?त, 2024 को घरेलू कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 7 हजार रुपये प्रति टन से घटाकर 4,600 रुपये प्रति टन किया गया था।

उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों को देखते हुए 15 दिनों पर घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स की समीक्षा की जाती है। भारत सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर पहली बार जुलाई 2022 में विंडफॉल टैक्स लगाया गया था।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी हुई 'देहदान-अंगदान जागृति संगोष्ठी' में शामिल

चमकता राजस्थान

जयपुर 17अगस्त। उप मुख्य मंत्री दिया कुमारी ने आज जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में जैन सोशल ग्रुप सेंट्रल संस्थान और दधीचि देहदान समिति द्वारा आयोजित ₹देहदान- अंगदान जागृति संगोष्ठी₹ में शामिल होकर विशेषज्ञ, चिकित्सक, सामाजिक कार्यकर्ता और अंगदान से जुड़े हुए लोगों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह सराहनीय कदम न केवल समाज में जागरूकता फैलाने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि इससे लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव भी आएगा।

इस मौके पर केंद्रीय राज्यमंत्री व दधीचि देहदान समिति के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समिति के संरक्षक आलोक कुमार,जैन सोशल ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष कमल सचेती, जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष संजय सिंह वैध , महासचिव कमल खुराना,सचिव गुंजन छाजेड़ के साथ ही अनेकों सामाजिक कार्यकर्ता और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

दिया कुमारी प्रजना फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'प्रोजेक्ट किशोरी कार्यक्रम' में शामिल

चमकता राजस्थान

जयपुर 17अगस्त। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर में प्रजना फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'प्रोजेक्ट किशोरी कार्यक्रम' में सम्मिलित होकर बालिकाओं के सशक्तिकरण और उनके विकास के बारे में उद्बोधन दिया।

उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम बालिकाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, और आत्मनिर्भरता की दिशा में जागरूकता जागृत करने में सहायक साबित होगा।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय सेवा प्रमुख (राज. क्षेत्र) शिव लहरी,सह-प्रांत प्रचारक विशाल ,वरिष्ठ प्रचारक मूलचंद,कर्नल धनेश, प्रजना फाउंडेशन की चेयरपर्सन श्रीमती प्रीति शर्मा,डॉ. शैलजा जैन,ब्रह्मोस एयरोस्पेस की उप प्रबंधक श्रीमती सरिता वाघटे,सहायक प्रो. (जेएनयू) डॉ. आयुषी केतकर ,अतिथिगण और बालिकाएं उपस्थित रहीं।

संक्षिप्त समाचार

कोलकाता रेप-मर्डर वीभत्स घटनाक्रम को लेकर मनोहरपुर डॉक्टरों ने किया कार्य बहिष्कार,

- इस अमानवीय कृत्य की कड़े शब्दों में करी घौर निंदा
- अपराधियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की करी मांग
- राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनोहरपुर में विरोध-प्रदर्शन

चमकता राजस्थान। मनोहरपुर (खलील कुरैशी)। कोलकाता में महिला डॉक्टर की रेप के बाद हत्या के मामले में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के आ''ान पर शनिवार को राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनोहरपुर में डॉक्टर्स ने 24 घंटे का कार्य बहिष्कार किया। कार्यरत डॉक्टर्स ने अस्पताल में धरना-प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और फांसी देने की मांग की। सीएचसी प्रभारी नरेंद्र बधाला ने कहा कि डॉक्टर कड़ी मेहनत कर मरीज की सेवा करता है ताकि उसकी जान बचे, लेकिन महिला डॉक्टर के साथ इस तरह की घटना से पूरा डॉक्टर समुदाय डरा हुआ है। डॉ. दिलीप नारनोलिया, डॉ. एलएन सैनी, डॉ. देवेंद्र शर्मा ने कहा कि डॉक्टर दिन-रात मानव सेवा में लगे रहते हैं, लेकिन कोलकाता की डॉक्टर के साथ हुए घटनाक्रम ने पूरे चिकित्सा समुदाय को झकझोर दिया। आरोपियों को पुलिस तुरंत गिरफ्तार करे, साथ ही अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाए, जिससे डॉक्टर भयमुक्त होकर अपना काम कर सकें।

- **इन चिकित्सा अधिकारी एवं कर्मचारी ने जताया विरोध**

इस दौरान डॉ. जय राम चौधरी डॉ. मोहन प्रजापत, नर्सिंग ऑफिसर विक्रम खेरावा, राजेंद्र मीणा, योगेश शर्मा, ओमप्रकाश सबल,नीरज भारद्वाज, सुमन, ममता, चंद्रकला, अनुराधा, तकनिकी सहायक लक्ष्य राज सिंगल, रमेश चंद रैगर, विक्रम कुमावत, नवल किशोर असवाल, सीताराम शर्मा, जय राम यादव, महेश गुर्जर, सुनील शर्मा, धर्म चंद सामोता आदि मौजूद रहे।

कोलकाता में हुए महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म हत्या का काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्वक किया विरोध

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण) । बाड़ी सामान्य चिकित्सालय बाड़ी में लैब टेक्नीशियन और रेडियोग्राफर संघ, आई टेक्नीशियन संघ ने भी कोलकात्ता में हुए महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म हत्या अमानवीय घटना का काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्वक विरोध किया !लैब टेक्नीशियन जयंत शर्मा ने कहा कि चिकित्सा कर्मियों के भय मुक्त वातावरण के लिए सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट बने जिससे सभी को लाभ मिले। साथ ही रेडियोग्राफर गौरव गोयल ने कहा के हम सभी चिकित्सा कर्मियों के साथ है! और इस घटना का विरोध करते है। आगे से ऐसी घटना ना हो इसके लिए एक्ट को लागू किया जाए। प्रहलाद , विनोद , पुनीत जिंदल ,कीर्ति परमार , महेंद्र , दिलीप बंसल, मुबीना सहित समस्त पैरा मेडिकल स्टाफ मोजूद रहा।

राजस्थान के स्कूलों में कैची- चाकू लेकर जाने पर लगा बैन

शिक्षा विभाग ने जारी की गाइडलाइन, स्टूडेंट्स का बैग चेक करेंगे टीचर्स

चमकता राजस्थान

जयपुर/बीकानेर (खलील कुरैशी)। उदयपुर के स्कूल में हुए हिंसक घटनाक्रम के बाद अब शिक्षा विभाग एक्टिव मोड में आ गया है। शनिवार को शिक्षा विभाग ने स्कूलों में स्टूडेंट्स को लेकर गाइडलाइन जारी की है। इसके बाद अब स्टूडेंट्स स्कूल में धारदार हथियार, चाकू, कैंची, छुरी के साथ ही किसी तरह की नुकीली वस्तु लेकर नहीं जा सकेंगे। इसको लेकर टीचर्स द्वारा भी लगातार स्टूडेंट्स को गाइड करने के साथ स्कूल बैग की चेकिंग भी की जाएगी। अगर इसके बावजूद किसी स्टूडेंट द्वारा लापरवाही की जाती है। स्कूल उसके खिलाफ कार्रवाई करेगास्कूल के नोटिस बोर्ड पर सार्वजनिक सूचना लगाई जाएगीमाध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक आशीष मोदी ने बताया कि परिवार अपने बच्चों को स्कूल में पढ़ने के लिए भेजते हैं। ऐसे में स्टूडेंट्स के लिए स्कूल सबसे सुरक्षित स्थान होना चाहिए। किसी तरह की हिंसा नहीं होनी चाहिए। इसी बात को ध्यान में रखते हुए शिक्षा विभाग ने यह गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत स्कूल में किसी तरह के नुकीले या धारदार उपकरण का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। नई गाइडलाइन को लेकर न सिर्फ स्कूल के नोटिस बोर्ड पर सार्वजनिक सूचना लगाई जाएगी। बल्कि, प्रार्थना सभा में भी टीचर्स स्टूडेंट को लगातार यह गाइडलाइन बताएंगे। ताकि प्रदेशभर के स्कूलों में किसी तरह के हिंसक घटनाक्रम को रोक जा सके।

बच्चों पर निगरानी रखेंगे शिक्षक

आशीष मोदी ने कहा कि टीचर्स द्वारा रैंडमली स्टूडेंट्स की चेकिंग की जाएगी। उनके स्कूल बैग भी चेक किए जाएंगे। ऐसे में अगर उनके पास से किसी भी तरह का नुकीला या फिर नुकसान करने वाला सामान मिलता है। उनके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। इसके साथ ही अगर स्कूल टीचर को बच्चों के व्यवहार में अचानक परिवर्तन लगता है। उनकी निगरानी और काउंसलिंग करेंगे। उनके पेरेंट्स को भी इसकी जानकारी देंगे। मोदी ने कहा कि न सिर्फ टीचर्स बल्कि पेरेंट्स भी अपने बच्चों के स्कूल बैग की रैंडम चेकिंग करें। उनसे बातचीत कर उनके व्यवहार को समझे। क्योंकि यह बच्चों के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है। गाइडलाइन को लागू करना टीचर्स की जिम्मेदारी शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा- गाइडलाइन को लागू करना सभी टीचर्स की जिम्मेदारी होगा। ऐसे में अगर कोई स्टूडेंट लापरवाही बरतता है। तो पहले टीचर्स उसके पेरेंट्स को इसकी जानकारी देंगे। अगर इसके बाद भी सुधार नहीं होता है। तो स्टूडेंट के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा के कुशल निर्देशन एवं उचित प्रबंधन में एसीबी लिख रहा भ्रष्टाचार भ्रष्टाचारीयों के खिलाफ रह रोज़ नया अध्याय

- **कोटा में पुलिस थाना कैथून के थानाधिकारी के लिये 3 लाख रुपये रिश्वत लेते कानिस्टेबल रंगे हाथों गिरफ्तार, थानाधिकारी मौके से फरार, तलाश जारी**

चमकता राजस्थान। जयपुर, (खलील कुरैशी) 17 अगस्त, शनिवार । ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. की कोटा इकाई द्वारा आज कार्यवाही करते हुये भरत कुमार जाट कानिस्टेबल, पुलिस थाना कैथून, जिला कोटा को परिवादी से 3 लाख रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहर-ड़ा ने बताया कि ए. सी.बी. की कोटा इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि जमीन के विवाद में उसे उसकी जमीन पर कब्जा कराने की एवज में आरोपी धनराज मीणा पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी, पुलिस थाना कैथून, जिला कोटा द्वारा आरोपी भरत कुमार जाट कानिस्टेबल, पुलिस थाना कैथून के माध्यम से 3 लाख रूपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है।जिस पर एसीबी कोटा के उप महानिरीक्षक पुलिस कल्याणमल मीणा के सुपरवीजन में एसीबी की कोटा इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विजय स्वर्णकार के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज मय टीम पुलिस निरीक्षक देशराज व अन्य के ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी भरत कुमार जाट कानिस्टेबल, पुलिस थाना कैथून, जिला कोटा को परिवादी से 3 लाख रूपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। आरोपी थानाधिकारी, पुलिस निरीक्षक ए.सी.बी. कार्यवाही की भनक लगने पर मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने समस्त प्रदेशवासियों से अपील की है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की हैल्पलाईन नं. 1064 एवं हँ३रंस्त्रस्त्र हैल्पलाईन नं. 94135-02834 पर 247 सम्पर्क कर भ्रष्टाचार के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। एसीबी आपके वैध कार्य को करवाने में पूरी मदद करेगी।

ठेहट गैंग के हिस्ट्रीशीटर से कहलवाया- पुलिस हमारी बाप :

अब नहीं होगी ऐसी गलती,एक बार माफ कर दो

चमकता राजस्थान

जयपुर(खलील कुरैशी)। ठेहट गैंग के हिस्ट्रीशीटर उजागर सिंह से पुलिस हमारी बाप है कहलवाना कमिश्नरेट स्पेशल टीम के आठ पुलिसकर्मियों को भारी पड़ा है। इनमें से तीन को सस्पेंड कर दिया गया है, जबकि पांच को लाइन हाजिर किया गया है। जयपुर के चित्रकूट थाने में उजागर सिंह से पूछताछ के दौरान हाथ ऊपर करवाए गए और ताली बजाते हुए पुलिस वालों ने वीडियो बनाए थे। वीडियो सामने आने के बाद हिस्ट्रीशीटर की पत्नी ने शिकायत की, जिसके बाद दो अगस्त को कार्रवाई हुई है।

- **तीन पुलिसकर्मी सस्पेंड, पांच लाइन हाजिर**

- **13 जून को किया गया था गिरफ्तार**

जयपुर कमिश्नरेट की सीएसटी टीम ने 13 जून को राजू ठेहठ गैंग से जुड़े हिस्ट्रशीटर उजागर सिंह और उसके साथी पृथ्वीराज को गिरफ्तार किया था। उजागर सिंह सीकर के पाटन का रहने वाला है। सीएसटी को सूचना मिली थी कि झोटवाड़ा थाने के हिस्ट्रीशीटर उजागर सिंह पिछले दो साल से जवाहर सर्किल थाने के मामले में फरार चल रहा है। डीसीपी ईस्ट व वेस्ट की ओर से उजागर सिंह पर 5-5 हजार रुपए का इनाम घोषित है। वह कालवाड़ रोड स्थित रॉयल सिटी के फ्लैट में किराए पर रह रहा था। पुलिस टीम ने दबिश देकर उजागर सिंह और उसके साथी पृथ्वीराज को पकड़ा। तलाशी में दोनों बदमाशों के पास से 3 पिस्टल, 2 देसी कट्टा व 15 कारतूस मिले था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान, मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929